दैनिक
मिशन नेशनल न्यूज
TITLE CODE.: UTTHIN05386
हिन्दी अखबार
प्रसारित स्थान : उत्तराखण्ड ● प्रयागराज ● मथुरा ● बिजनौर ● सहारनपुर ● मुजफ्फरनगर ● मेरठ ● गाजियाबाद
वेबसाईट पढ़े: www.missionnationalnews.com
वर्ष-2 अंक-339 पृष्ठ-8 : मूल्य : 1 रुपये
हरिद्वार,शुक्रवार , 06 दिसंबर 2024

संक्षिप्त समाचार

फडणवीस तीसरी बार बने महाराष्ट्र के सीएम

मुंबई, मुंबई के आजाद मैदान में देवेंद्र फडणवीस ने पीएम मोदी, शाह और नड्डा की मौजूदगी में तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ ही अजित पवार ओर एकनाथ शिंदे ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ग्रहण की है।

मुंबई के आजाद मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में गुरुवार शाम 5.30 बजे देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधियां, केंद्रीय मंत्री और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ और आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने शिरकत की।

उद्योगपति और सेलेब्रिटी भी पहुंचे

महायुति सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला के साथ ही फिल्मी दुनियां की हस्तियां भी शामिल हुईं। इनमें वॉलिबुड के किंग खान शाहरुख खान, दबंग हीरो सलमान खान और संजय दत्त के साथ ही दुनियां के मशहूर क्रिकेटर रहे सचिन तेंदुलकर जैसी तमाम हस्तियां मौजूद रहीं हैं।

आजाद मैदान में सजे तीन मंच

मुंबई के आजाद मैदान में शपथ ग्रहण समारोह के लिए तीन मंच सजाए गए थे। इनमें से पहला मंच मुख्य शपथ ग्रहण समारोह के लिए बनाया गया था जबकि दूसरा मंच धार्मिक गुरुओं के लिए था और तीसरा मंच सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए बनाया गया था।

अडानी मामले को लेकर विपक्ष ने किया संसद परिसर में जोरदार प्रदर्शन

नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान गुरुवार को विपक्षी दलों के सांसदों ने अडानी समूह से जुड़े मामलों को लेकर संसद परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। विरोध के दौरान विपक्ष के सांसदों ने एक खास जैकेट पहन रखी थी, जिसमें अडानी से जुड़े मुद्दों को लेकर संदेश लिखे थे। संसद परिसर में गुरुवार सुबह विपक्ष के सांसदों ने गौतम अडानी मामले को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया है। विपक्ष का आरोप है कि अडानी समूह को सरकार से अनुचित लाभ पहुंचाया गया है और इससे जुड़े मामलों की निष्पक्ष जांच की मांग की जा रही है। विपक्ष ने सरकार पर बड़े उद्योगपतियों के पक्ष में काम करने और पारदर्शिता में कमी का आरोप लगाया है। गौरतलब है कि अडानी मामले को लेकर सत्र के शुरूआती दिनों में विपक्ष के हंगामे के चलते संसद की कार्यवाही बाधित रही थी। विपक्ष ने इन मुद्दों पर प्रधानमंत्री मोदी और सरकार से सीधे जवाब देने की मांग की है। प्रदर्शन के दौरान सांसदों ने जो जैकेट पहन रखी थी, उस पर सरकार के खिलाफ संदेश और जांच की मांग के नारे लिखे थे।

फडणवीस तीसरी बार बने महाराष्ट्र के सीएम

-मोदी और शाह की मौजूदगी में हुआ शपथ ग्रहण समारोह
-शिंदे और पवार ने डिप्टी सीएम पद की ली शपथ

मुंबई

मुंबई के आजाद मैदान में देवेंद्र फडणवीस ने पीएम मोदी, शाह और नड्डा की मौजूदगी में तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ ही अजित पवार ओर एकनाथ शिंदे ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ग्रहण की है।

मुंबई के आजाद मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में गुरुवार शाम 5.30 बजे देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधियां, केंद्रीय मंत्री और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ और आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने शिरकत की।

उद्योगपति और सेलेब्रिटी भी पहुंचे

महायुति सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला के साथ ही फिल्मी दुनियां की हस्तियां भी शामिल हुईं। इनमें वॉलिबुड के किंग खान शाहरुख खान, दबंग हीरो सलमान खान और संजय दत्त के साथ ही दुनियां के मशहूर क्रिकेटर रहे सचिन तेंदुलकर जैसी तमाम हस्तियां मौजूद रहीं हैं।

आजाद मैदान में सजे तीन मंच

मुंबई के आजाद मैदान में शपथ ग्रहण समारोह के लिए तीन मंच सजाए गए थे। इनमें से पहला मंच मुख्य शपथ ग्रहण समारोह के लिए बनाया गया था जबकि दूसरा मंच धार्मिक गुरुओं के लिए था और तीसरा मंच सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए बनाया गया था।

भारतीय वायुयान विधेयक पर संसद की मुहर

नयी दिल्ली

गुरुवार को भारतीय वायुयान विधेयक 2024 को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इस-के साथ इसपर संसद की मुहर लग गयी। लोकसभा इसे पहले ही पारित कर चुकी है।

नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडु ने सदन में भारतीय वायुयान विधेयक 2024 पर दो दिन में लगभग छह घंटे तक चली चर्चा का जवाब देते हुए कि विधेयक का नाम भारतीय भाषाओं के अनुरूप है। देश में विमानन क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है। देश के विकास के साथ इस क्षेत्र में भी वृद्धि हो रही है। देश में नये हवाई अड्डे बनाये जा रहे हैं। यह विधेयक भारतीय वायुयान अधिनियम 1934 का स्थान लेगा।

श्री नायडु ने कहा कि उडान योजना ने देश में नागरिक उड्डयन क्षेत्र के परिदृश्य में भारी बदलाव हो रहा है। अंतर्राष्ट्रीय

व्यवस्थाओं के अनुरुप देश के उड्डयन को बनाने की जरुरत है। इसलिए यह विधेयक लाया गया है। विधेयक में यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं का ध्यान रखा गया है। इसमें यात्रियों की निजता बनाये रखने का प्रबंध किया गया है। उन्होंने कहा कि ड्रोन के परिचालन और संचालन को भली भांति परिभाषित किया गया है। सरकार का उद्देश्य विमानन क्षेत्र का विकास करना है और इसमें निजी क्षेत्र का सहयोग लिया जा रहा है।

यह विधेयक केंद्र सरकार को वायुयान निर्माण, डिजाइन, मेंटेनेंस, स्वामित्व, उपयोग, परिचालन, बिक्री, निर्यात और आयात पर पूरा नियंत्रण प्रदान करता है। वायुयान से जुड़े अन्य मामलों में भी नियमन और नियंत्रण का अधिकार केंद्र सरकार का होगा। विधेयक में विमान को खतरनाक तरीके से उड़ाने, विमान में हथियार या विस्फोटक ले जाने, हवाई अड्डों के पास कूड़ा-कचरा फैलाने या जानवरों का वध करने को अपराध माना गया है। इन अपराधों के लिए तीन साल तक की कैद, एक करोड़ रुपये तक का जुमार्ना या दोनों हो सकते हैं।

हेमंत सोरेन सरकार का कैबिनेट विस्तार: 11 विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ, 06 नए चेहरे शामिल

रांची,

झारखंड में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में गठबंधन सरकार का कैबिनेट विस्तार गुरुवार को हो गया। कैबिनेट विस्तार में 11 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम), कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल कर गठबंधन की साझेदारी को संतुलित किया गया है।

हेमंत सोरेन सरकार में शामिल कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक राधाकृष्ण किशोर को सबसे पहले मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। उन्होंने राज्य के छतरपुर विधानसभा सीट से जीत हासिल की है और विधानसभा में यह उनका चौथा टर्म है।

उनके अलावा जेएमएम के दीपक बिरुवा, चाईबासा सीट से चौथी बार विधायक, दूसरे स्थान पर शपथ लेने वाले मंत्री बने। चमरा लिंडा (जेएमएम) ने बिशुनपुर सीट से लगातार तीसरी बार विधायक चुने जाने के बाद पहली बार मंत्री पद की शपथ ली। आरजेडी के संजय प्रसाद यादव, गोड्डा सीट से विधायक, पहली बार कैबिनेट में शामिल हुए। कांग्रेस के इरफान अंसारी, जामताड़ा से तीसरी बार विधायक, कैबिनेट में जगह पाने वाले प्रमुख चेहरों में से एक रहे। हफीजुल हसन (जेएमएम) ने उर्दू में शपथ ली, जो अपनी अल्पसंख्यक पहचान और अनुभव के कारण कैबिनेट में लगातार तीसरी बार शामिल किए गए हैं। कैबिनेट में कांग्रेस, जेएमएम और आरजेडी के विधायकों को उचित प्रतिनिधित्व देकर एक संतुलन बनाने की कोशिश की गई है। हेमंत सोरेन ने सभी नए और पुराने मंत्रियों को बधाई देते हुए उनसे राज्य के विकास और जनता की सेवा के प्रति निष्ठा बनाए रखने का आग्रह किया है।

इसरो ने फिर रचा इतिहास : प्रोबा-3 मिशन की सफल लॉन्चिंग

श्रीहरिकोटा

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक बार फिर अपनी तकनीकी क्षमता और वैश्विक साझेदारी की मिसाल पेश करते हुए इतिहास रचने जैसा काम कर दिया है। गुरुवार शाम 4:04 बजे श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से पीएसएलवी-सी59 रॉकेट के जरिए प्रोबा-3 मिशन की सफल लॉन्चिंग की गई। यह मिशन यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के सहयोग से सूर्य के कोरोना के बीच के रहस्यमयी हिस्से की गहन अध्ययन करेगा।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 5 दिसंबर गुरुवार शाम 4:04 बजे प्रोबा-3 मिशन की सफल लॉन्चिंग कर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। यह लॉन्चिंग पीएसएलवी-सी59 रॉकेट के जरिए सतीश धवन स्पेस सेंटर के लॉन्च पैड-1 से की गई। यह मिशन इसरो और यूरोपियन

स्पेस एजेंसी (ईएसए) का साझा प्रयास है, जिसमें सौर अध्ययन के लिए विशेष तकनीक से लैस दो सैटेलाइट्स को पृथ्वी की कक्षा में स्थापित किया गया है। प्रोबा-3 मिशन में दो सैटेलाइट्स–कोरोनाग्राफ स्पेसक्राफ्ट और ऑक्लटर स्पेसक्राफ्ट–को अंतरिक्ष में 600 बाई 60,530 किमी की अंडाकार कक्षा में स्थापित किया गया। ये दोनों सैटेलाइट्स 150 मीटर की सटीक दूरी पर एक लाइन में सूर्य के कोरोना (सूरज के बाहरी परत) का अध्ययन करेंगे।कोरोनाग्राफ स्पेसक्राफ्ट (310 किलोग्राम): यह सैटेलाइट सूर्य की तरफ मुंह कर-के खड़ा होगा और सौर कोरोना की संरचना व उस-की गहराई का अध्ययन करेगा। इसमें एसोसिएशन ऑफ स्पेसक्राफ्ट फॉर पोलैरीमेट्रिक एंड इमेंजिंग इन्वेस्टिगेशन ऑफ कोरोना ऑफ द सन उपकरण लगा है। ऑक्लटर स्पेसक्राफ्ट (240 किलोग्राम): यह कोरोनाग्राफ के पीछे स्थित रहेगा और डिजिटल एब्सोल्यूट रेडियोमीटर उपकरण के जरिए डेटा का अध्ययन करेगा।

सौर अध्ययन में नया आयाम

प्रोबा-3 मिशन मुख्य रूप से सूर्य के उच्च कोरोना और निम्न कोरोना के बीच की काली जगह का विश्लेषण करेगा। इस अध्ययन से वैज्ञानिक सूर्य के डायनामिक्स, सौर हवाओं और कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे। यह सैटेलाइट ग्रहण जैसी स्थिति बनाकर सूर्य की आंतरिक और बाहरी परतों की गहन स्ट-डी करेगा। इस मिशन से सौर गतिविधियों और अंतरिक्ष के मौसम के प्रभाव को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी। यह मिशन अंतरिक्ष विज्ञान में भारत की अग्रणी भूमिका और इसरो की वैश्विक प्रतिष्ठा को और मजबूत करता है। इस उपलब्धि के साथ, इसरो ने एक बार फिर दुनिया में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान की ताकत और विशेषज्ञता को साबित कर दिया है।

हेमा मालिनी ने संसद में उठाया मुद्दा बोलीं- बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली

पिछले कई महीनों से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं। उनके घरों और प्रतिष्ठानों को जलाए जाने की खबरें भी आ रहीं है। अब यह मुद्दा भारतीय संसद में भी उठाया जा रहा है। भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और हिंदू संत चिन्मय कृष्णदास की गिरफ्तारी की बुधवार को संसद में निंदा की। लोकसभा में शून्य काल के दौरान हेमा मालिनी ने कहा, कि मैं स्वयं कृष्ण भक्त हूं और इस्कॉन की अनुयायी हूं। मैं कृष्ण की पावन नगरी मथुरा की प्रतिनिधि हूं। हम धर्म पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं करेंगे। यह विदेश नीति का विषय नहीं है, बल्कि हमारी भावना का विषय है। बांग्लादेश सरकार को हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

बाद में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मैंने सरकार से अनुरोध किया है कि वह कार्रवाई करे और हमारे इस्कॉन भक्तों, हिंदू भाइयों को सुरक्षा दे। हम चुप नहीं रह सकते। यह कूटनीति का मुद्दा नहीं है, बल्कि हमारी भावनाओं और श्री कृष्ण के प्रति भक्ति से जुड़ा है। असम के दारांग-उदलगुड़ी लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले भाजपा सदस्य दिलीप सैकिया ने कहा, कि हम चाहते है कि संसद एक प्रस्ताव पारित करे, जिससे बांग्लादेश सरकार को संदेश दिया जा सके कि बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार पूरी तरह से बंद हो। साल 1971 में बांग्लादेश के गठन के बाद से लाखों बांग्लादेशी मुसलमान असम में घुसपैठ कर चुके हैं और राजनीतिक और चुनावी प्रणाली में निर्णायक कारक बन गए हैं।

राम मंदिर का निर्माण नए साल में होगा पूरा, उससे पहले, होगा पहली मंजिल का उद्घाटन

नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के अयोध्या स्थित राम मंदिर का निर्माण आगामी साल पूर्ण होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। उससे पहले ट्रस्ट की योजना है कि राम मंदिर के उद्घाटन की पहली वर्षगांठ के अवसर पर 11 जनवरी, 2025 को ही राम मंदिर की पहली मंजिल का उद्घाटन किया जाए।

इसके तहत 11 जनवरी 2025 को राम दरबार की औपचारि-क प्राण प्रतिष्ठा होगी, जिसमें भगवान राम, माता सीता, हनुमान, भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न की 4.5 फुट ऊंची मूर्तियां शामिल होंगी। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने एक जानकारी उपलब्ध कराई हे, जिसमें संभावना व्यक्त करते हुए बताया गया है कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण जुलाई 2025 तक पूरा हो जाएगा। 70 एकड़ में फैले राम जन्मभूमि परिसर में 18 अन्य मंदिरों के निर्माण के लिए मार्च से अगस्त 2025 तक की समय-सीमा निर्धारित की गई है। इस मामले में ट्रस्ट के ही एक सदस्य ने बताया है कि राम मंदिर का भूतल बनकर तैयार है और पहली और दूसरी मंजिल का काम भी तेजी से किया जा रहा है। ट्रस्ट की योजना के अनुसार राम मंदिर के उद्घाटन की पहली वर्षगांठ के अवसर पर ही 11 जनवरी, 2025 को राम मंदिर की पहली मंजिल का उद्घाटन भी करने की है। राम मंदिर निर्माण में हो रही देरी को लेकर समिति के अध्यक्ष ने बताया कि हमारा लक्ष्य मार्च 2025 तक सब कुछ पूरा करने का था, लेकिन अभी काम पूरा होने में कुछ और समय लगेगा। उन्होंने बताया कि इंजीनियर कह रहे हैं

दैनिक मिशन नेशनल न्यूज

संपादकीय

संसद में इंडिया विभाजित

संसद की कार्यवाही सुचारू रूप से चले, इस पर स्पीकर ओम बिरला की अध्यक्षता में सभी दलों में सहमति तो बनी थी, लेकिन वह सहमति कारगर कब होगी? मंगलवार को भी दोनों सदनों में हंगामा हुआ, विपक्ष नारेबाजी करता हुआ अध्यक्ष के आसन तक भी पहुंचा, लिहाजा वह सर्वदलीय सहमति फर्जी लगी। विपक्ष ने संसद से बहिर्गमन तक किया, लेकिन लौट कर कार्यवाही में भी शिरकत की। प्रश्नकाल के दौरान सांसदों ने सवाल भी पूछे। शून्यकाल की भी संभावनाएं जगीं, लेकिन बुनियादी सवाल यह है कि संसद की कार्यवाही बाधित क्यों की जाए? क्या ह्यअदाणी कांडह्न वाकई राष्ट्रीय और संसदीय मुद्दा है, जिस पर कांग्रेस और कुछ विपक्षी दल हंगामा कर रहे हैं और संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन की मांग कर रहे हैं? यदि अदाणी समूह ने कुछ गलत किया है, तो वह अमरीकी अदालत तय करेगी और दंडित करेगी। भारत में यह कांड आपराधिक नहीं है और न ही ऐसा कोई न्यायिक निष्कर्ष सामने आया है। ह्यअदाणी कांडह्न पर ही विपक्ष के ह्यइंडियाह्न गठबंधन में दरारें उभरी हैं। ह्यइंडियाह्न में सर्वसम्मति कभी नहीं रही। राज्यसभा मंर नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के आवास पर ह्यइंडियाह्न के सहयोगी दलों की जो बैठक हुई थी, उसमें तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेताओं ने भाग नहीं लिया। वे लगातार मानते रहे हैं कि संसद की कार्यवाही सुचारू चलनी चाहिए। अदाणी ऐसा मुद्दा नहीं है, जिस पर संसद की कार्यवाही स्थगित करने को बाध्य होना पड़े। सपा नेता अखिलेश यादव के साथ 37 सांसद लोकसभा में हैं। उनके लिए संभल क्षेत्र की सांप्रदायिक हिंसा और आम नागरिकों की मौत नरसंहार से कम नहीं है।

आखिर हरेक जामा मस्जिद के नीचे हिंदू मंदिर दफन के ऐतिहासिक अतीत को क्यों खोदा जाए? ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के 29 सांसद लोकसभा में हैं। उनके लिए बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई, विपक्ष द्वारा शासित राज्य सरकारों के प्रति केंद्र सरकार का सौतेला और भेदभाव वाला रवैया, केंद्र द्वारा पूंजी का अपर्याप्त आवंटन आदि बेहद महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, जिन पर संसद में बहस होनी चाहिए। तृणमूल के लिए ह्यअदाणी कांडह्न बेमानी, फिजूल है। सपा और तृणमूल इस राजनीति के भी पक्षधर नहीं हैं कि प्रधानमंत्री मोदी और अदाणी परस्पर पूरक हैं। हालांकि कांग्रेस, ह्यआपह्न, राजद, शिवसेना (उद्धव), द्रमुक और वामदलों के सांसदों ने संसद भवन के ह्यमकर द्वारह्न की सीढिय़ों पर विरोध-प्रदर्शन किया, लेकिन सपा और तृणमूल कांग्रेस उसमें शामिल नहीं हुए। सवाल यह है कि क्या संसद में ह्यइंडियाह्न गठबंधन विभाजित हो चुका है? क्या ह्यइंडियाह्न निर्णायक तौर पर खंड-खंड हो चुका है और अब मोदी सरकार के लिए कड़ी चुनौती नहीं है? चूंकि चुनावों के दौरान ह्यइंडियाह्न के कई घटक दलों ने अलग-अलग चुनाव लड़े, लिहाजा सवाल है कि क्या अब ह्यइंडियाह्न भीतरी तौर पर भी एक बंटा हुआ गठबंधन है? संसद की कार्यवाही बेशकीमती है, क्योंकि वह देश के निर्वाचित सांसदों का सबसे बड़ा, महत्वपूर्ण सदन है। संसद में कानून बनाए जाते हैं तथा सांसद अपने क्षेत्र की समस्याओं को आवाज दे सकते हैं। संसद की कार्यवाही स्थगन से कितना पैसा बर्बाद होता है, अब यह उतना संवेदनशील मुद्दा नहीं रहा, क्योंकि इसकी चर्चा बार-बार की जाती है, लेकिन यह चिंतित स्थिति है कि 5 दिन में लोकसभा सिर्फ 69 मिनट और राज्यसभा 94 मिनट ही काम कर पाई। औसतन 4-5 फीसदी ही काम हो पाया। क्या संसद नारों और हंगामे का ही सदन बन गया है?

(चिंतन-मनन)

मन को जगाएं

दूसरा महायुद्ध चल रहा था। भीषण बमवर्षा हो रही थी। पूरा लंदन नगर संत्रस्त था। सारे नगर में भय का साम्राज्य छाया हुआ था। पर उसी नगर में एक बूढ़ी महिला निश्चिंत रूप से सोती और निश्चिंत जागती। आस-पास के लोगों की नींद पूरी तरह गायब हो चुकी थी। वे न सुख से सो पाते और न सुख से जाग पाते। दूसरे सभी जागते, किन्तु बुढिया निश्चिंत सोती, गहरी नींद लेती। लोगों ने बुढिया से पूछा, मां! क्या बात है? सारा नगर भय से आप्रान्त है। यहां कोई भी सुख की नींद नहीं सो सकता। तुम कैसे सुखपूर्वक सो जाती हो? इसका रहस्य क्या है? बुढिया ने कहा, बेटा! इसका रहस्य यही है कि मेरा प्रभु सदा जागता है। फिर मैं क्यों जागती रहूं? दो को जागने की जरूरत नहीं है। यह सच है। जब मन जाग जाता है, फिर कोई जागे या न जागे, कोई जरूरत नहीं है। किसी को जगाने की भी जरूरत नहीं है। वास्तविकता तो यह है कि मन के जगाने पर कोई सोया रह नहीं सकता। सबको जागना ही पड़ता है। एक के जागने पर सब जाग जाते हैं। एक के सोने पर सब सो जाते हैं। मन का मार्ग बहुत लम्बा-चौड़ा और दीर्घ है। वह एक क्षण में सारी दुनिया का चक्कर लगा सकता है। मन को साधने के बाद उसका भटकाव मिट जाता है, प्रमाद मिट जाता है, सोने की आदत मिट जाती है।

सदन में करवटें बदलतीं आत्माएं

-राकेश अचल-

आपने यदि गौर किया हो तो आप पाएंगे कि आजकल संसद के दोनों सदनों में पीठासीन प्रमुखों की आत्माएं अचानक करवटें बदलती दिखाई दे रहीं हैं। सदन चलने को लेकर दुनिया भर से मिल रही लानत मलानत के बाद लोकसभा हो या राज्य सभा अब केंद्रीय मंत्रियों को लताड़ मिलती दिखाई दे रहीी है। लोकसभा में यदि स्पीकर श्री ओम बिरला जी यदि संसदीय कार्यकमंत्री पर बिफरे तो राजयसभा कि सभापति माननीय धनकड़ जी ने सदन कि बाहर एक कार्यक्रम में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की क्लास ले ली।

मंगलवार लोकसभा में शून्यकाल शुरू होने से पहले कार्यसूची में तमाम मंत्रियों के नाम से अंकित दस्तावेज संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल की ओर से प्रस्तुत किए जाने पर स्पीकर ने नाराजगी जताई. उन्होंने कहा कि जिन मंत्रियों के नाम कार्यसूची में हैं, वे सदन में उपस्थित रहें. दरअसल, सदन में प्रश्नकाल खत्म होने के बाद दोपहर 12 बजे कार्यसूची में अंकित जरूरी कागजात संबंधित मंत्रियों की ओर से सदन के पटल पर रखे जाते हैं। हालांकि अगर कोई मंत्री सदन में उपस्थित नहीं रहता तो उनकी तरफ से संसदीय कार्य राज्य मंत्री इन्हें प्रस्तुत करते आये हैं। संसद में बहुत दिनों बाद स्पीकर को बदली हुई मुद्रा में देश ने देखा है। लगता है कि अब उन्हें उनकी आत्मा कचोटने लगी है। अहसास करने लगी है कि वे केवल सत्तापक्ष के लिए ही नहीं बने हैं।

सदन में जरूरी प्रपत्र पेश किए जाने के दौरान वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद के नाम पर अंकित एक दस्तावेज को संसदीय कार्य राज्य मंत्री मेघवाल ने रखा. इस पर स्पीकर बिरला ने कहा कि उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सदन में बैठे हैं और उन्हें दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए कहा जाना चाहिए था। इसके बाद गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार अपने नाम से अंकित दस्तावेज सदन के पटल पर रख रहे थे. उन्हें कठिनाई होने पर अन्य मंत्री उनकी मदद करते नजर आए. इस पर लोकसभा अध्यक्ष ने इन मंत्रियों से कहा, ह्यह्यआप एक-दूसरे को मत समझाओ.ह्नह्न फिर स्पीकर ने संसदीय राज्य मंत्री मेघवाल से ही संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा।

लोकसभा की ही तरह राज्य सभा के बाहर एक समारोह में सभापति जयदीप धनकड़ अचानक किसान आंदोलन का प्रश्न आते ही केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान पर पिल पड़े। किसान आंदोलन को लेकर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को सीधे कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से कई सवाल किए। उन्होंने शिवराज की ओर इशारा करते हुए कहा, कृषि मंत्री जी, आपका एक-एक पल भारी है। मेरा आपसे आग्रह है और भारत के संविधान के तहत दूसरे पद पर विराजमान व्यक्ति आपसे अनुरोध कर रहा है कि कृपया करके मुझे बताइए कि किसान से क्या वादा किया गया था? और जो वादा किया गया था, वह क्यों नहीं निभाया गया? आपको बता दें कि देश कि किसान एक बार फिर आंदोलित हो रहे हैं। धनकड़ का रूप विपक्ष के किसी संसद जैसा था। उन्होंने सवाल किया कि - वादा निभाने के लिए हम क्या कर रहे हैं? बीते साल भी आंदोलन था, इस साल भी आंदोलन है। कालचक्र घूम रहा है। हम कुछ नहीं कर रहे हैं। धनखड़ ने मुंबई में केंद्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान के शताब्दी समारोह के में ये बातें कहीं। कार्यक्रम में शिवराज भी मौजूद थे। हालांकि, उन्होंने उपराष्ट्रपति के सवालों का जवाब नहीं दिया। आपको याद होगा कि किसान आंदोलन को लेकर पूर्व में भाजपा के वरिष्ठ नेता और राजयपाल रहे सत्यपाल मलिक भी आग -बबूला हो चुके हैं और इसका खामियाजा भी उन्हें भुगतना पड़ा है, लेकिन धनकड़ को पता है कि अब उनका कुछ बिगड़ने वाला नहीं है। भाजपा उन्हें राष्ट्रपति तो बनाने से रही।

दुर्भाग्य ये है कि संसद को हंगामे से उबरने के लिए हुई बैठक भी बहुत ज्यादा कामयाब नजर नहीं आयी, क्योंकि मंगलवार को संसद में अडानी का नाम आते ही फिर हंगामा हुआ था। कांग्रेस के गौरव गोगोई द्वारा अडानी और मोदी का नाम लेते ही सत्तापक्ष बिफर गया था और उसने गौरव के शब्दों को सदन की कार्रवाई से निकलवाकर ही चैन की सांस ली थी। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर लोकसभा की कार्रवाई का न सिर्फ बहिष्कार किया ब्लल्कि बैनर लेकर ये संदेश भी दिया की मोदी जी और अडानी जी एक हैं। कांग्रेस के इस कदम का साथ हालाँकि उनके सहयोगी समाजवादी दल और तृणमूल कांग्रेस ने नहीं दिया। मुझे लगता है कि यदि लोकसभा और राजयसभा का संचालन निष्पक्षता से किया जाये तो सदन की तस्वीर बदल सकती है। लोकसभा अध्यक्ष को भी मान लेना चाहिए कि ये उनका दूसरा और अंतिम कार्यकाल है, वे चाहें तो इसका इस्तेमाल अतीत में बिगड़ी अपनी छवि को सूधारने में कर सकते हैं। वे अगर संगमा बनना चाहें तो बन सकते है। वे यदि सोमनाथ चटर्जी बनना चाहें तो उन्हें कोई नहीं रोक सकता। यहां तक कि प्रधानमंत्री मोदी जी भी। कोई उन्हें पदच्युत करने की स्थिति में नहीं है। यही बात राज्य सभा के सभापति माननीय धनकड़ साहब पर लागू होती है। उन्होंने बंगाल के राजयपाल के रूप में ही नहीं बल्कि राजयसभा के सभापति के रूप में भी भाजपा के लिए जितना समर्पण किया जा सकता था, वे कर चुके है। अब उन्हें अपनी छवि सुधारने के लिए सदन के बाहर ही नहीं बल्कि भीतर भी विपक्ष के साथ होई सत्तापक्ष की कान -कुच्ची [कान खिंचाई] करना चाहिए। देश ने एक लम्बे अरसे से लोकसभा और राजयसभामें पहले की तरह किसी भी मुद्दे पर कोई गंभीर बहस नहीं हुई है। ऐसी बहस जिसे देखने -सुनने के लिए देश दो-चार घंटे टीवी स्क्रीन के सामने बैठने को मजबूर हो। ये तीसरी लोकसभा है जिसमें कोई सारगर्भित बहस होती नजर नहीं आय। पिछले दस साल में प्रधानमंत्री जी भी जितनी बार सदन में बोले वे राष्ट्रनायक के रूप में नहीं बोले। उन्होने हमेशा किसी विपक्षी नेता की तरह भाषण दिया और असली विपक्ष की बखिया उधेड़ने की कोशिश की। मुझे एक बार भी नहीं लगा कि वे देश को चलाने के लिए विपक्ष की किसी भूमिका को सराहने का माद्दा रखते हैं। उन्हें विपक्ष अपना सनातन शत्रु नजर आता है। वे पंडित जवाहर लाल नेहरू की तरह आज के विपक्ष में बैठे किसी अटल बिहारी बाजपेयी को अपना आशीर्वाद नहीं दे सकते। बहरहाल जो परिवर्तन फिलहाल दिखाई दे रहा है वो सुखद है।

धार्मिक स्थलों पर विवादों को सुलझाने में न्यायपालिका

-प्रियंका सौरभ-

न्यायपालिका अक्सर संविधान के धर्मनिरपेक्ष चरित्र को बनाए रखने के लिए प्रतिस्पर्धी धार्मिक दावों को संतुलित करती है (अनुच्छेद 25-28)। उदाहरण के लिएः एस.आर. बोम्मई बनाम भारत संघ (1994) में, सर्वोच्च न्यायालय ने धर्मनिरपेक्षता को संविधान की एक बुनियादी विशेषता घोषित किया, जिसने धार्मिक मामलों में राज्य की निष्पक्षता को मजबूत किया। यह सुनिश्चित करता है कि धार्मिक स्वतंत्रता (अनुच्छेद 25) दूसरों के अधिकारों या सार्वजनिक व्यवस्था का उल्लंघन नहीं करती है।

न्यायपालिका भारतीय संविधान में निहित धर्मनिरपेक्षता, समानता और न्याय के सिद्धांतों की रक्षा करते हुए धार्मिक स्थलों पर विवादों को सुलझाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हालाँकि, यह कार्य ऐतिहासिक दावों को समकालीन अधिकारों के साथ संतुलित करने, सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने, भावनात्मक संवेदनशीलता को सम्बोधित करने और पूजा स्थल अधिनियम, 1991 जैसे कानूनी ढाँचों का पालन सुनिश्चित करने जैसी चुनौतियों से भरा है। ये जटिलताएँ संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए एक सावधान और निष्पक्ष दृष्टिकोण की माँग करती हैं। अगर किसी देश को नष्ट करना है तो उसकी सांस्कृतिक पहचान को खत्म कर दो। देश अपने आप नष्ट हो जाएगा। भारत पर हमला करने वाले विदेशी आक्रांताओं ने यही किया। इस्लामी आक्रांताओं ने न सिर्फ धन-संपदा लूटी बल्कि भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को खत्म करने के लिए बड़े पैमाने पर मंदिरों और धार्मिक स्थलों को तोड़ कर मस्जिदें बना दीं। अंग्रेजों का लक्ष्य भी भारत को कमजोर बनाकर यहां के संसाधनों का दोहन करना था। इसलिए उन्होंने भी भारत की सांस्कृतिक पहचान को कमजोर करने के लिए हर संभव प्रयास किए। आक्रांताओं द्वारा नष्ट किए गए धार्मिक स्थल सिर्फ धार्मिक प्रतीक नहीं हैं।

एक प्राचीन सभ्यता के तौर पर इनके बिना भारत की पहचान पूर्ण नहीं होती है। अयोध्या, काशी और मथुरा इसके कुछ उदाहरण हैं। सैकड़ों वर्षों की गुलामी के बाद आज सनातन संस्कृति का पुनरुद्धार हो रहा है। काशी, मथुरा, संभल और अजमेर दरगाह मामले में साक्ष्यों और दस्तावेजों के आधार पर भारत की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीकों को हासिल करने का प्रयास हो रहा है। धार्मिक स्थलों पर विवादों को सम्बोधित करने में न्यायपालिका के सामने आने वाली चुनौतियाँ जैसे कानूनी ढाँचे में अस्पष्टता। हालाँकि पूजा स्थल अधिनियम, 1991 का उद्देश्य धार्मिक स्थलों की 1947 वाली स्थिति को स्थिर करना है, लेकिन इसके प्रावधान अलग-अलग व्याख्याओं के लिए जगह छोड़ते हैं, जिससे इसका प्रवर्तन कमजोर होता है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 2022 में ज्ञानवापी मस्जिद जैसे मुकदमों को अनुमति दी, अधिनियम की व्याख्या धार्मिक चरित्र निर्धारित करने के लिए सर्वेक्षण की अनुमति देने के रूप में की। सदियों पुरानी शिकायतों पर दोबारा गौर करने से सांप्रदायिक तनाव बढ़ने, सार्वजनिक व्यवस्था में बाधा उत्पन्न होने और सामाजिक एकता को नुकसान पहुँचने का खतरा रहता है। धार्मिक विवादों में न्यायिक फैसले अक्सर राजनीतिक लामबंदी के उपकरण बन जाते हैं, जो न्यायपालिका की तटस्थता बनाए रखने की क्षमता को चुनौती देते हैं।

संविधान के धर्मनिरपेक्ष चरित्र के साथ धार्मिक अधिकारों को संतुलित करना एक महत्त्वपूर्ण चुनौती है, खासकर जब निर्णयों को एक समुदाय के पक्ष में माना जाता है। विवादित धार्मिक स्थलों से जुड़े मामलों को अनुमति देना अधिनियम के मूल सिद्धांत को कमजोर करता है, जिससे पूजा स्थलों को लेकर भविष्य में संघर्षों के लिए एक मिसाल कायम होती है। संवैधानिक सिद्धांतों का पालन सुनिश्चित करने और धर्मनिरपेक्षता की सुरक्षा की तत्काल आवश्यकता है। न्यायपालिका अक्सर संविधान के धर्मनिरपेक्ष चरित्र को बनाए रखने के लिए प्रतिस्पर्धी धार्मिक दावों को संतुलित करती है (अनुच्छेद 25-28)। उदाहरण के लिएः एस.आर. बोम्मई बनाम भारत संघ (1994) में, सर्वोच्च न्यायालय ने धर्मनिरपेक्षता को संविधान की एक बुनियादी विशेषता घोषित किया, जिसने धार्मिक मामलों में राज्य की निष्पक्षता को मजबूत किया। यह सुनिश्चित करता है कि धार्मिक स्वतंत्रता (अनुच्छेद 25) दूसरों के अधिकारों या सार्वजनिक व्यवस्था का उल्लंघन नहीं करती है। न्यायालय ऐतिहासिक अभिलेखों और साक्ष्यों के माध्यम से धार्मिक स्थलों पर विवादों की जांच करते हैं, धार्मिक भावनाओं पर संवैधानिक सिद्धांतों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। अयोध्या विवाद (एम. सिद्दीक बनाम महंत सुरेश दास, 2019) में, सर्वोच्च न्यायालय ने निष्पक्षता बनाए रखने के लिए प्रभावित पक्ष को वैकल्पिक भूमि आवंटित करते हुए संतुलित फैसला देने के लिए ऐतिहासिक और पुरातात्विक साक्ष्यों पर भरोसा किया। न्यायपालिका संवैधानिक अनुपालन सुनिश्चित करते हुए सांस्कृतिक या विरासत स्थलों के रूप में मान्यता प्राप्त धार्मिक संरचनाओं की सुरक्षा करती है। अरुणा रॉय बनाम भारत संघ (2002) में, न्यायालय ने अनुच्छेद 51 ए (एफ) के तहत समग्र संस्कृति को बढ़ावा देने पर जोर दिया, जो विरासत धार्मिक स्थलों पर विवादों में प्रासंगिक है। न्यायालय प्रक्रियात्मक निष्पक्षता के साथ धार्मिक विवादों का निपटारा करते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि सभी पक्षों को बिना किसी पूर्वाग्रह के सुना जाए। ज्ञानवापी मस्जिद-काशी विश्वनाथ मंदिर विवाद में न्यायपालिका ने साक्ष्यों के संग्रह और मूल्यांकन में प्रक्रियागत अनुपालन पर जोर दिया है, जिससे निष्पक्ष सुनवाई के सिद्धांतों को सुनिश्चित किया जा सके। धार्मिक स्थलों पर विवादों को सुलझाने में न्यायपालिका को संविधान के संरक्षक के रूप में कार्य करना चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि धर्मनिरपेक्षता और सांप्रदायिक सद्भाव सर्वोपरि रहे। पूजा स्थल अधिनियम के सिद्धांतों को सुदृढ़ करके, समय पर और निष्पक्ष निर्णय देकर और संघर्ष समाधान तंत्र को बढ़ावा देकर न्यायपालिका जनता का विश्वास बना सकती है और ऐतिहासिक शिकायतों को सामाजिक शांति को बाधित करने से रोक सकती है। भारत के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने की रक्षा करने वाला भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण इसके विविध, बहुलवादी समाज में एकता बनाए रखने के लिए महत्त्वपूर्ण है।

पर्यावरण की चिंता बनता बढ़ता औद्योगिक कचरा

-विवेक रंजन श्रीवास्तव-

विकास का सूचक और अर्थव्यवस्था का आधार बनता बढ़ता मशीनीकरण आज आधुनिक जीवन के हर क्षेत्र को संचालित कर रहा है। आधुनिक जीवन मशीनों पर इस कदर निर्भर है कि इसके बिना कई काम रूक जाते हैं। इंटरनेट और मोबाइल दूरी व समय की सीमाओं को लांघ कर सारी दुनिया को अपने में समेटने का दावा करते हैं। इस यंत्र युग में सारी दुनिया में हिंसा, शोषण, विषमता और बेरोजगारी भी बढ़ रही है। स्वास्थ्य समस्याएँ और पर्यावरण विनाश भी अपने चरम पर हैं। दौड़ती-भागती जिंदगी में समय का अभाव प्रायः आम शिकायत रहती है। रिश्तों में कृत्रिमता और दूरियाँ बढ़ रही हैं। लोग स्वयं को बेहद अकेला महसूस करने लगे हैं। बढ़ती मशीनों ने मनुष्य की शारीरिक श्रम की आदत को कम करके स्वास्थ्य समस्याओं का आधार तैयार किया है। दूरदर्शी गांधीजी ने चेताया था कि-"अगर मशीनीकरण की यह सनक जारी रही, तो काफी संभावना है कि एक समय ऐसा आएगा जब हम इतने असमर्थ और लाचार हो जाएगे कि अपने को ही यह कोसने लगेंगे कि हम भगवान द्वारा दी गई शरीर रूपी मशीन का इस्तेमाल करना क्यों भूल गए"। बढ़ता मशीनीकरण उपभोक्तावाद को बढ़ावा देकर समाज में विषमता की नींव को पुख्ता करता आया है। एक औद्योगिककृत अर्थव्यवस्था में अंधाधुंध बढ़ता मशीनीकरण वस्तुतः स्थानीय जरूरतों व सीमाओ को लांघकर व्यापक स्तर पर वस्तुओं के उत्पादन, बिक्री या खपत को बढ़ाने की महत्वाकांक्षाओ से प्रेरित होता है। औद्योगिक कचरे को बढ़ाता है। ग्लोबल वार्मिंग को जन्म देता है। पर्यावरण प्रदूषण की ऐसी आग को जन्म देता है जिसे बुझाने वाला सचमुच कोई नहीं है. भोपाल गैस त्रासदी को वर्षो हो गए हैं। वहां पर पड़ा जहरीला अपशिष्ट प्रत्येक मानसून में जमीन में रिस कर प्रति वर्ष क्षेत्र को और अधिक जहरीला बना रहा है। कंपनी को इस बात के लिए मजबूर किया जाना चाहिये कि वह इसे अमेरिका ले जाकर इसका निपटान वहां के अत्याधुनिक संयंत्रों में करे परन्तु इसके बजाय सरकारें अब भोपाल ही नहीं बल्कि गुजरात में अंकलेश्वर व म.प्र. के पीथमपुर के भस्मकों में इसे जला कर इस औद्योगिक अति हानिकारक कचरे को नष्ट करना चाहती हैं।

आधुनिकीकरण के चलते गैस ... इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के अनुपयोगी हो जाने से इकट्ठा हो रहे कचरे का निपटान भी सही ढंग से नहीं हो कर पा रही है। इस कारण पर्यावरण के खतरे भी अंधाधुंध बढ़ रहे है।

एक अध्ययन के अनुसार भारत में प्रतिवर्ष डेढ़ लाख टन ई-वेस्ट या इलेक्ट्रॉनिक कचरा बढ़ रहा है। इसमें देश में बाहर से आने वाले कबाड़ को जोड़ दिया जाए तो न केवल कबाड़ की मात्रा दुगुनी हो जाएगी, वरन् पर्यावरण के खतरों और संभावित दुष्परिणामों का सही अनुमान भी नहीं लगाया जा सकेगा।

प्रतिवर्ष भारत में बीस लाख कम्प्यूटर अनुपयोगी हो जाते हैं। इनके अलावा हजारों की तादाद में प्रिंटर, फोन, मोबाइल, मॉनीटर, टीवी, रेडियो, ओवन, रेफ्रिजरेटर, टोस्टर, वेक्यूम क्लीनर, वाशिंग मशीन, एयर कंडीशनर, पंखे, कूलर, सीडी व डीवीडी प्लेयर, वीडियो गेम, सीडी, कैसेट, खिलौने, फ्लोरेसेंट ट्यूब, बल्ब, ड्रिलिंग मशीन, मेडिकल इंस्ट्रूमेंट, थर्मामीटर और मशीनें आदि भी बेकार हो जाती हैं। जब उनका उपयोग नहीं हो सकता तो ऐसा औद्योगिक कचरा खाली भूमि पर इकट्ठा होता रहता है, इसका अधिकांश हिस्सा जहरीला और प्राणीमात्र के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक होता है। कुछ दिनों पहले इस तरह के कचरे में खतरनाक हथियार व विस्फोटक सामग्री भी पाई गई थी।

इनमें धातुओं व रासायनिक सामग्री की भी काफी मात्रा होती है जो संपर्क में आने वाले लोगों की सेहत के लिए खतरनाक होती है। लेड, केडमियम, मरक्यूरी, एक्बेस्टस, क्रोमियम, बेरियम, बेटीलियम, बैटरी आदि यकृत, फेफ-ड़े, दिल व

त्वचा की अनेक बीमारियों का कारण बनते हैं। अनुमान है कि यह कचरा एक करोड़ से अधिक लोगों को बीमार करता है। इनमें से ज्यादातर गरीब, महिलाएँ व बच्चे होते हैं। इस दिशा में गंभीरता से कार्रवाई होना जरूरी है मगर देश के लोगों की मानसिकता अभी कबाड़ संभालने व कचरे से आजीविका कमाने की बनी हुई है।

ऊर्जा उत्पादन हेतु ताप विद्युत संयंत्र, बड़े बाँध, प्रत्यक्ष और परोक्ष में बहुत अधिक मात्रा में औद्योगिक कचरा फैला रहे हैं। सौर ऊर्जा और

पवन ऊर्जा, ऊर्जा के बेहतरीन विकल्प माने गए हैं। राजस्थान में इन दोनों विकल्पों के अच्छे मानक स्थापित हुए हैं। सोलर लैम्प, सोलर कुकर जैसे कुछ उपकरण प्रायः लोकप्रिय रहे हैं। एशियन डेवलपमेंट बैंक के साथ मिलकर टाटा पॉवर कंपनी लिमिटेड देश में (विशेषकर महाराष्ट्र में) कई करोड़ों रुपए के बड़े पवन ऊर्जा प्लांट लगाने की योजना बना रही है। इसी तरह से दिल्ली सरकार भी ऐसी कुछ निजी कंपनियों की ओर ताक रही हैं जो राजस्थान में पैदा होती पवन ऊर्जा दिल्ली पहुंचा सकें।

परमाणु ऊर्जा के निर्माण से पैदा होते परमाणु कचरे में प्लूटोनियम जैसे रेडियोएक्टिव तत्वों का यह प्रदूषण पर्यावरण में भी फैल सकता है और भूमिगत जल में भी इन्हें रोकना बहुत आवश्यक है।

एशियन डेवलपमेट बैंक ने हाल ही में गंगा के प्रदूषण को रोकने के लिए एक योजना तैयार की है। गंगा के किनारे के नगरों के पानी, सीवरेज, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, सड़क, ट्रेफिक व नदियों के प्रदूषण को दूर किया जायेगा। संयुक्त राष्ट्र ने एक रिपोर्ट में कहा है कि व्यापक औद्योगिक कचरे, भूमि का जरूरत से ज्यादा दोहन और सिंचाई के गलत तरीकों से जलवायु परिवर्तन हो रहा है। मरूस्थलों के बढ़ते क्षेत्रफल के कारण लाखों लोग अपना घर छोड़ने को मजबूर हो सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भूमि का मरूस्थल में बदलना पर्यावरण के लिए बड़ा खतरा है और विश्व की एक तिहाई जनसंख्या इसका शिकार बन सकती है। रिपोर्ट के अनुसार औद्योगिक संतुलन, कृषि के कुछ सरल तरीके अपनाने आदि से वातावरण में कार्बन की मात्रा कम हो सकती है। इसमें सूखे क्षेत्रों में पेड़ उगाने जैसे कदम शामिल हैं।

औद्योगिक अपशिष्ट से दिल्ली की जीवन धारा यमुना, इस कदर मैली हो चुकी है कि राज्य सरकार 1993 से ही 'यमुना एक्शन प्लान' जैसी कई योजनाओं द्वारा सफाई अभियान चला रही है, जिस पर करोड़ों-अरबों रूपए लगाए जा चुके हैं। किसी भी नदी को जिंदा रखने के लिए 'इको सिस्टम' की सुरक्षा उतनी ही जरूरी है जितनी उसमें बहते पानी की गुणवत्ता की।

पर्यटन जनित डिस्पोजेबल प्लास्टिक कचरे से बढ़ता प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुँच रहा है, जिस पर त्वरित नियंत्रण जरूरी है। सरकार ने रिसायकल्ड पॉलिथिन के उपयोग पर पाबंदी लगा रखी है। केवल नए प्लास्टिक दानों से बनी बीस माइक्रोन से अधिक की थैलियों का ही उपयोग किया जा सकता है। 25 माइक्रोन से कम की रिसायकल्ड प्लास्टिक की थैलियां और 25 माइक्रोन से कम की नई प्लास्टिक की थैलियों के उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा। किसी भी नदी-नाले, पाइप लाइन और पार्क आदि सार्वजनिक स्थलों पर इन थैलियों का कचरा डालने पर रोक रहेगी। नगरीय निकाय इन थैलियों के लिए अलग-अलग कचरा पेटी रखेंगे। पॉलीथिन के कारण सीवर लाइन बंद हो जाती है।

इस वजह से दूषित पानी बहकर पाइप लाइन तक पहुंचकर पेयजल को दूषित करता है जिससे बीमारियां फैलती है। इसे उपजाऊ जमीन में फेंकने से भूमि बंजर होती जाती है। कचरे के साथ जलाने से जहरीली गैसे निकलती हैं जो वायु प्रदूषण फैलाती है और ओजोन परत को क्षति पहुंचाती है। गाय बैल आदि जानवर पालीथिन में चिपके खाद्य पदार्थ खाने के प्रलोभन में पतली पालीथिन की पन्नियां भी निगल जाते हैं जो उनके पेट में फँस कर रह जाती हैं एवं उनकी मृत्यु हो जाती है। अतः पालीथिन पर प्रभावी नियंत्रण जरूरी है।

कहा जा सकता है कि औद्योगिक कचरा प्रगति का दूसरा पहलू है जिससे बचना मुश्किल है, पर उसके समुचित तरीके से डिस्पोजल से ही हम मानव जीवन और प्रगति के बीच तादात्म्य बना कर विज्ञान के वरदान को अभिशाप बनने से रोक सकते हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी राजीव शर्मा के निवास पहुंचकर उनको व पुत्री भव्या को विवाह के मांगलिक अवसर पर शुभकामनाएं दी

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार ,उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी हरिद्वार भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत शिवालिक नगर के पूर्व पालिका अध्यक्ष राजीव शर्मा के निवास पहुंचकर उनको व पुत्री भव्या को विवाह के मांगलिक अवसर पर शुभकामनाएं दी. इस अवसर पर वर वधु पर पुष्प वर्षा कर आशीर्वाद व उपहार भी दिया व नव युगल के उज्जवल भविष्य के लिये परिजनों को मंगलकामनाऐं प्रेषित की। ओर साथ ही नवयुगल के सुखमय जीवन की कामना की। इससे पूर्व भेल हेलीपैड पहुंचने पर जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह,मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक परमेंद्र सिंह डोभाल ने पुष्प गुच्छ भेट कर मुख्यमंत्री जी का अभिनंदन किया। इस अवसर पर विधायक रुड़की प्रदीप बत्रा,पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद , जिलाध्यक्ष संदीप गोयल,पूर्व विधायक देश-राज कर्नवाल, संजय गुप्ता, सुरेश राठौर,श्री गंगा सभा अध्यक्ष नितिन गौतम,जिला महामंत्री आशु चौधरी , जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र सिंह डोभाल, मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे,एचआरडीए उपाध्यक्ष अंशुल सिंह, एसपी सिटी पंकज गैरोला,अपर जिलाधिकारी पीएल शाह, सीएमओ आरके सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान, उप जिलाधिकारी लक्ष्मी राज चौहान, डिप्टी कलेक्टर मनीष कुमार सिंह,सहित अधिकारीगण व भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दशकों से रह रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर करे सरकार: विशाल शर्मा

हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में शिव सेना ने फूंका बांग्लादेश सरकार का पुतला

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार। शिवसेना ने बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे अत्याचार पर आक्रोश जाते हुए गुरुवार को शिवसेना के जिला प्रमुख विशाल शर्मा के नेतृत्व में कार्यकताओं ने आर्य नगर चौक पर बांग्लादेश सरकार का पुतला दहन कर बांग्लादेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। शिवसेना के कार्यकताओं ने दशकों से भारत में रह रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों को तुरंत देश से बाहर करने की मांग की है। शिवसेना के जिला प्रमुख विशाल शर्मा ने विरोध करते हुए कहा कि बांग्लादेश में बड़े हिंसक उग्र आंदोलन के कारण संपूर्ण कानून व्यवस्था और वहां की सरकार

ध्वस्त हो चुकी है। बांग्लादेश में आंदोलन करने वालों में बड़ा हिस्सा भारत विरोधी, हिंदू विरोधी मानसिकता वालों का है। इस आंदोलन में जानबूझकर हिंदुओं को निशाना बनाकर जगह-जगह पर हिंदुओं पर हमले, उनके घरों को लूटना, जलाना, मंदिरों को तोड़ देना और हिंदुओं का खुलेआम नरसंहार किया जा रहा है। बांग्लादेश की आर्मी हिंदुओं की हत्याओं को रोकने में नाकाम है। ऐसे में भारत सरकार को इस मामले में दखल देना चाहिए। जरूरत पड़ने पर इंडियन आर्मी की मदद से हालात को काबू में करना चाहिए। विरोध प्रदर्शन करने वालों में उत्तराखंड प्रदेश सचिव सीताराम प्रजापति, चंद्रशेखर चौहान, राकेश सैनी, ओमकार चौधरी, भोला कश्यप, हिमांशु, राकेश कश्यप, सन्नी कुमार, आकाश शर्मा, मोंटी शर्मा, सत्यम, रामनाथ चौधरी, प्रमोद सिंह, राजेश कुमार, कुशाल सिंह, पवन कुमार, बबलू शर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आवंटित पट्टों पर भू माफियाओं का जबरन कब्जा कराकर तहसील प्रशासन के कर्मचारी अनुसूचित जाति की महिलाओं का घोर उत्पीड़न कर रहे

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार, जिला हरिद्वार के ग्राम जगजीतपुर में ग्राम पंचायत द्वारा वर्ष 1997 में अनुसूचित जाति के लोगों के आवंटित पट्टों पर भू माफियाओं का जबरन कब्जा कराकर तहसील प्रशासन के कर्मचारी अनुसूचित जाति की महिलाओं का घोर उत्पीड़न कर रहे है। पुलिस एवं तहसील प्रशासन के कर्मचारियों एवं भू-माफिया द्वारा किए गए घोर उत्पीड़न के खिलाफ ग्राम जगजीतपुर की अनुसूचित जाति की कुमारी प्रमिला, विद्या देवी ,कलावती,सुखबीरी , सुलोचना देवी, सीतो देवी आदि 23 अक्टूबर 2024 से ग्राम जगजीतपुर के अंबेडकर भवन

में धरने पर बैठी है।जबकि आवंटित पट्टो का वाद अभी भी एसडीएम कोर्ट में विचाराधीन है जिसकी 4 दिसंबर 2024 सुनवाई की तारीख निश्चित की गई है।

0 9 अक्टूबर 2024 को हरिद्वार की तहसीलदार महोदया अपने साथ कानूनगो, पटवारी एवं पुलिस को लेकर धरने पर बैठी पीड़ित अनुसूचित जाति की महिलाओं से वार्ता कर जांच कमेटी बनाकर शीघ्र न्याय दिलाने के आश्वासन के बाद धरने के 44 वे दिन नायब तहसीलदार धरने पर आए थे । उन्होंने धरने पर मोजूद कुमारी प्रमिला, सुखबीर देवी, विद्या देवी, कलावती, सुलोचना देवी, सुबलेश, मैना, पूर्व प्रधान श्याम सुंदर आदित्य, सुरेश ,सचिन चौधरी, राजू विराठिया, चंद्रपाल सिंह ,महिपाल सिंह सुल्तानपुर, आदि से मुलाकात कर मामले से संबंधित कुछ पेपर उपलब्ध कराने को कहा है नायब तहसीलदार ने मामले की निष्पक्ष जांच करा कर शीघ्र न्याय दिलाने की बात कही

लगातार मोटर चोरी की घटनाओं का पुलिस ने किया खुलासा दो चोर गिरफ्तार

मिशन नेशनल न्यूज /शमशाद अहमद

लक्सर पुलिस के द्वारा दो मोटर चोरों को गिरफ्तार किया गया है उनसे 40 किलोग्राम तांबे की तार भी बरामद हुई है लक्सर कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया क्षेत्र में हो रही लगातार मोटर चोरियों की घटनाओं का एसएसपी हरिद्वार द्वारा संज्ञान लेते हुए घटना के अनावरण के लिए प्रभारी निरीक्षक लक्सर को निर्देशित किया गया था

जिसमें लक्सर पुलिस टीम गठित की गई गठित पुलिस टीम के द्वारा मुखबिर की सूचना पर छापेमारी करते हुए दो मोटर चोरों को गिरफ्तार किया गया पूछताछ करने पर उनसे दो कट्टो में करीब 40 किलोग्राम अवैध तांबे की तार व एक मोटरसाइकिल पल्सर के साथ दबोचा दोनों व्यक्तियों द्वारा पूछताछ में थाना क्षेत्र ग्राम अकोढा कला गांव में स्थित खेतों में लगी मोटर को तोड़कर उसमें से तांबे की तार को निकाल कर चोरी करना स्वीकार भी किया है पूछताछ करने पर दोनों व्यक्तियों ने अपने नाम फरमान पुत्र फुरकान निवासी सुल्तानपुर थाना कोतवाली लक्सर उम्र 30 वर्ष साजिद पुत्र मुस्तकीम निवासी रनसुरा थाना कोतवाली लक्सर उम्र 35 वर्ष बताएं उनको पकड़ने वाली पुलिस टीम में उप निर-ीक्षक दीपक चौधरी उप निरीक्षक कर्मवीर सिंह कांस्टेबल कपिल देव जगत सिंह शामिल रहे पकड़े गए दोनों व्यक्तियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है पकड़े गए दोनों व्यक्तियों को संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है

कोतवाली रानीपुर ने शान्ति भंग में किये दो पक्ष गिरफ्तार

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

कोतवाली रानीपुर पुलिस को सलेमपुर में झगडे की सूचना प्राप्त हुई, सूचना पर तत्काल पुलिस द्वारा मौके पर जाकर जानकारी की गयी तो प्रथम पक्ष 1-इरफान उर्फ टीटी पुत्र इस्लाम निवासी ग्राम सलेमपुर कोतवाली रानीपुर हरिद्वार उम्र 49 वर्ष दूसरे पक्ष के 2- मुन्ना पुत्र बुन्दु निवासी ग्राम सलेमपुर कोतवाली रानीपुर हरिद्वार उम्र 65 वर्ष दोनो आपस में घर के आगे ठेली लगाने को लेकर विवाद के चलते एक दूसरे के साथ गाली गलौच कर आमदा फौजदारी हो रहे थे, मौके पर पुलिस द्वारा दोनो पक्षो को काफी समझाया गया, लेकिन दोनो पक्ष एक दूसरे के साथ मारपीट पर उतारू हो रहे थे, जिस पर पुलिस द्वारा मौके पर शान्ति व्यवस्था के दृष्टिगत दोनो पक्षो के व्यक्तियो को अन्तर्गत धारा 170 बी0एन0एस0 में गिरफ्तार कर धारा-126/135/170 इठरर में चालान करते हुए आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई '

अवैध खनन के खिलाफ पुलिस की छापेमारी तीन वाहन सीज

मिशन नेशनल न्यूज /शमशाद अहमद

लक्सर पुलिस के द्वारा अवैध खनन के खिलाफ छापेमारी करते हु तीन वाहनों को पकड़कर सीज कर दिया गया है लक्सर कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया एसएसपी हरिद्वार द्वारा अवैध खनन ओवरलोड चलने वाले वाहनों पर अंकुश लगाने के लिए समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया था जिस पर पुलिस उपाध्यक्ष लक्सर द्वारा कोतवाले लक्सर में अवैध खनन ओवरलोड वाहनों की धर पकड़ के लिए प्रभारी निरीक्षक को निर्देशित किया गया था जिसमें पुलिस टीम गठित की गई गठित पुलिस टीम के द्वारा मुखबीर की सूचना पर छापेमारी करते हु तीन वाहन चलाने वालों के विरुद्ध अवैध खनन ओवरलोड में कारवाई कर उनके वाहनों को भी सीज कर दिया गया है जिनमें तीन ट्रैक्टर ट्राली एक डफर शामिल है उनको पकड़ने वाली पुलिस टीम में भीक्कमपुर पुलिस चौकी प्रभारी नरेंद्र सिंह उप निरीक्षक रणजीत नौटियाल कांस्टेबल संजय पवार विरेंद्र सिंह दिगंबर राय शामिल रहे उन्होंने यह भी कहा की लक्सर

कोतवाली क्षेत्र में अवैध खनन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा अवैध खनन करने वालों के खिलाफ हमारी करवाई जारी है

बीएचईएल हरिद्वार में राजभाषा कार्यशाला का आयोजन

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार, : बीएचईएल हरिद्वार के राजभाषा विभाग द्वारा, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) हरिद्वार के सदस्य संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों के लिए, आज एक राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया । मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी) बीएचईएल हरिद्वार में आयोजित इस कार्यशाला का शुभारम्भ, महाप्रबंधक (ईएम) श्री नरेंद्र सिंह राणा ने, प्रमुख (एचआरडीसी) श्रीमती गुंजन शुक्ला, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री पार्थ सारथी गौड़ा, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक (राजभाषा) श्री हरीश सिंह बगवार एवं टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, ऋषिकेश के उप प्रबंधक (राजभाषा) श्री पंकज कुमार शर्मा की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन द्वारा किया ।

आउटसोर्स कर्मचारीयों ने सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय पर प्रदर्शन कर कर्मचारियों की मांगों का ज्ञापन प्रस्तुत किया

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार,उत्तराखंड निकाय कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारीयों संविदा एवं आउटसोर्स कर्मचारीयों ने सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय पर प्रदर्शन कर कर्मचारियों की मांगों का ज्ञापन प्रस्तुत किया कर्मचारियों को संबोधित करते हुए संयुक्त मोर्चा के मुख्य संयोजक सुरेंद्र तेश्वर ने कहा अभी हाल ही में उत्तराखंड शासन द्वारा निकायों में कार्यरत संविदा, आउटसोर्स,मोहल्ला स्वच्छता समिति,दैनिक वेतन भोगी, कर्मचारियों को हटाए जाने का फरमान जारी कर कर्मचारियों में निराशा एवं आक्रोश पैदा कर दिया है अगर ऐसा हुआ तो कर्मचारी कभी भी आंदोलन कर सकता है मोर्चा लगातार इन सभी कर्मचारियों को नियमित करने की मांग करता चला रहा है परंतु सरकार के कानों पर जू नहीं रैंग रही है प्रदेश सरकार कर्मचारियों का नियमित करने के बजाय उनका रोजगार छीन्ने का कार्य कर रही है सरकार हाई कोर्ट के आदेशों की भी अवेलना कर रही है सरकार जल्द से जल्द

कर्मचारियों को नियमित करें नहीं तो मजबूर होकर कर्मबार आंदोलन करना पड़ेगा, मोर्चा के संयोजक मुकुल जोशी ने कहा कि चाहे वर्तमान सरकार पूर्व की सरकारें रही हो कर्मचारियों का शोषण लगातार होता चला रहा है कर्मचारियों के पदों को मृत केडर में डालकर समाप्त कर दिया गया है जिससे कर्मचारियों की भर्ती नहीं हो रही है जो कर्मचारी संविदा,आउटसोर्स मोहल्ला स्वच्छता समिति पर लगा हुआ जिसमें चाहे लिपिक, ड्राइवर,लाइनमैन,अनुचर,लाइनमैन, पर्यावरण मित्र सभी का शोषण बराबर होता चला रहा है सरकार को इस पर जल्द निर्णय लेना चाहिए मृत पड़े पदों को बहाल करना चाहिए, कर्मचारियों को संबोधित करते हुए मोर्चा संयोजक राजेंद्र श्रमिक ने पहले ज्ञापन को सभी कर्मचारियों को पढ़कर सुनाया और कहां की संयुक्त मोर्चा कर्मचारियों को नियमित करने की लगातार मांग करता चला रहा है अनेको बार माननीय मुख्यमंत्री जी को ज्ञापन प्रस्तुत किए गए इसके बावजूद भी कर्मचारियों के हित मै सरकार द्वारा कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार कर्मचारियों के प्रति गंभीर नहीं है ऐसी स्थिति बन गई है की कर्मचारी मजबूर होकर आंदोलन की राह पर जा सकता है जिसकी समस्त जिम्मेदारीशासन प्रशासन की होगी ज्ञापन देने वालों में सुरेंद्र तेश्वर, मुकुल जोशी,राजेंद्र श्रमिक,प्रवीण तेश्वर, सलेकचंद,राजू खैरवाल, बलराम चुटेला,दीपक चावरिया, राजेश खैरवाल,अजय कुमार,प्रदीप खैरवाल,मनोज छछार,आलोक कुमार,लोकेश,कुलदीप कांगड़ा दीपक कुमार,जुगनू कांगड़ा,जितेंद्र सोनू,संदीप,प्रवीण,नरेंद्र आदि कर्मचारियों ने ज्ञापन दिया

हरिद्वार पुलिस ने 48 घण्टो में धर दबोचा दुष्कर्म का आरोपी

बालिका को बहला फुसलाकर घर में ले जाकर किया दुष्कर्म

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

कोतवाली रानीपुर पर वादिया नि0 भभूतावाला बाग शिवलोक रानीपुर हरिद्वार द्वारा तहरीर दी कि उनकी नाबालिग पोती उम्र 14 वर्ष घर से सामान लेने पडोस में परचून की दुकान पर गयी थी, जो काफी देर तक वापस नही आयी, जिस पर उनके द्वारा तलाश की गयी तो उपेन्द्र चौधरी र/ड राम रुप चौधरी निवासी भभूतावाला बाग रानीपुर हरिद्वार की परचून की दुकान के अन्दर से उनकी पोती बाहर आयी, जिसने बताया कि अभियुक्त उपेन्द्र चौधरी ने उसके साथ गलत काम किया है, जिस पर बालिका के परिजनो द्वारा उक्त उपेन्द्र चौधरी से पूछताछ की तो अभि0 द्वारा उनके साथ बदतमीजी की गयी वादिया की तहरीर पर पुलिस द्वारा तत्काल मु0अ0सं0 499/24 धारा 64,65(1),131 बी0एन0एस0 3/4(2) पोक्सो एक्ट का अभियोग पंजीकृत करवाया गया । घटना की संवेदनशीलता को देखते हुये कोतवाली रानीपुर पुलिस द्वारा तत्काल कार्यवाही कर अभियोग में नामजद अभि0 उपेन्द्र चौधरी र/ड राम रुप चौधरी निवासी भभूतावाला बाग रानीपुर हरिद्वार की ठोस सुरागरसी पतारसी करते हुये आज दिनांक 05.12.2024 को अभि0 उपरोक्त को भभूतावाला बाग रानीपुर से गिरफ्तार करते हुए आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई '

एसएसपी के निर्देश पर ईनामी एवं वा-रंटी अभियुक्तों पर हरिद्वार पुलिस की कार्यवाही लगातार जारी

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

एक युवती ने कोतवाली रानीपुर पर तहरीर दी कि इण्डस्ट्रीयल एरिया गैस प्लांट मे नौकरी के दौरान दोस्ती होने का फायदा उठाते हुए एक सहकर्मी ने उसके साथ दुष्कर्म किया व अश्लील वीडियो बनाकर लगातार ब्लैकमेल करते हुए कई बार फिर फायदा उठाया। तहरीर पर तत्काल मु0अ0सं0 480/24 धारा 376(2)(एन) भादवि का अभियोग पंजीकृत किया गया।

घटना अनावरण हेतु गठित पुलिस टीम द्वारा नामजद आरोपी की तलाश एवं सुरागरसी पतारसी की गई लेकिन आरोपी लगातार फरार चल रहा था। इस दौरान एसएसपी श्री प्रमेन्द्र सिंह डोबाल द्वारा आरोपी पर 5000 रू0 का ईनाम घोषित किया गया। कई जगह दबिश देने के उपरान्त कल दिनांक 04.12.2024 को पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी सचिन को सलेमपुर चौक से बहादराबाद जाने वाली रोड से दबोचने में कामयाबी हासिल की गई। विधिक कार्यवाही की जा रही है।

कैच द रेन एवं जल संचय, जल संरक्षण संवर्धन अभियान की समीक्षा बैठक

हरिद्वार ,संयुक्त सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत स-रकार डी० सेंथिल पाण्डियन की अध्यक्षता में विकास भवन के सभागार में आकांक्षी जनपद कार्यक्रम एवं ह्यहकैच द रेनह्य ह्य एवं जल संचय, जल संरक्षण संवर्धन अभियान की समीक्षा बैठक ली।

बैठक में नारी शक्ति से जल शक्ति अभियान के तहत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ये प्रोग्राम 2019 से कार्यवन्त है, इसके अंतर्गत पानी को रिचार्ज सॉफ्ट /पिट का निर्माण, तालाब का निर्माण ओर वृक्षारोपण का कार्य होता है। संयुक्त सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिया किया कि ब्लाकों में ग्राम पंचायतों में जागरूक अभियान चलाए की कौन सा पानी पीने लायक है, और कौन सा नहीं हैं, हमारे पास सीमित संसाधन है फिर भी ग्राम पंचायतों में जागरूकता अभियान चला सकते हैं, और बोर्ड लगा सकते है, अभियान चलाकर लोगो को बताए कि अगर हैंड पंप में शैलो वाटर (उथला पानी) निकलता है तो उससे तत्काल बंद कर दे। पूरे जिले में 24 हजार हैंडपंप है जिनमें से 06 हजार काम नहीं कर रहे है, और तालाब का निर्माण प्रस्तावित संख्या 52 है ओर उनमें से 22 तालाब का कार्य पूरा हो चुका है बाकी में निर्माण कार्य चल रहा है। डैड पड़े हैण्डपंपो को रंग कर जागरूकता अभियान चला सकते हैं। ह्यह्यरूफ टॉपह्य ह्य जल संग्रहण संरचना 46 प्रस्तावित है उनसे से 20 का कार्य पूरा हो चुका है, उन्होंने सारा और रूफ टॉप पर स्कसेस स्टोरी बनाने का भी सुझाव दिया।

उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से ये भी पूछा कि वर्षा का पानी कैसे रिचार्ज कर सकते है, और मानसून सीजन में विभागों द्वारा क्या काम किया है, प्री मानसून में क्या टारगेट था और कितना लक्ष्य प्राप्त किया है, अगर टारगेट लक्ष्य प्राप्त नहीं कर पा रहे है तो कारण स्पष्ट करें ? जल शक्ति अभियान के अंतर्गत जिस किसी विभाग ने कोई भी अच्छा कार्य किया है तो फोटोग्राफ के साथ सबमिट करे। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने ये योजनाएं बनाई है तो किस प्रकार बेहतर काम हो, सही तरीके से कार्य हो ताकि समय से अभियान पूरा हो सके, अगर कार्य साथ ही अभियान को सफल बनाने में महिलाओं की भागीदारी बहुत जरूरी है।

मंगलौर पुलिस की वारंटी के विरुद्ध कार्रवाई जारी, 2 फरार वारंटी गिरफ्तार विधिक कार्रवाई जारी

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

जनपद में एसएसपी के निर्देश पर गैर जमानती वारंट की तामील किए जाने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है ,विगत काफी दिनों से विभिन्न मामलों में फरार चल रहे वारंटी जिसकी तलाश हेतु पूर्व में सभी संभावित स्थानों पर दबिश दी गई परंतु वारंटी शातिर किस्म के अपराधी थे जिस कारण लगातार अपने ठिकाने बदल रहे थे '

कोतवाली मंगलौर पुलिस द्वारा दिनांक 4-12.24 को अभि0 के मसकन में दबिश दी गई जिसके फलस्वरूप निम्न वारंटी को गिरफ्तार करते हुए आवश्यक विधिक कार्रवाई की गई'

नाम पता वारंटी

1- ओमबीर पुत्र नगीना निवासी मुंडियाकी कोतवाली मंगलौर हरि0 ठङ्क-1424 /23 धारा 60 आबकारी अधिनियम

2- अजय कुमार पुत्र सुखवीर निवासी कुकड़ा नई मंडी मुजफ्फरनगर वा0 संख्या 55/23 धारा 279 304 ए आईपीसी

पुलिस टीम
1- उ0नि0 ध्वजवीर
2- उप निरीक्षक बजिंदर सिंह
3- हेड कांस्टेबल सहंसर पाल
4- कांस्टेबल सुधीर
5- कांस्टेबल मनोज

पुलिस के द्वारा संयुक्त अभियांन चलाकर 14 वहनों के खिलाफ की कार्यवाही

मिशन नेशनल न्यूज /शमशाद अहमद

लक्सर पुलिस के द्वारा संयुक्त अभियांन चलाकर 14 वाहनों के खिलाफ कारवाई की गई है लक्सर कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया एसएसपी हरिद्वार द्वारा जनपद में ओवरलोड ड्रंकन ड्राइविंग अवैध खनन के वीरद्ध कारवाई करने के लिए सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया था जिस पर लक्सर पुलिस व राजस्व पुलिस की संयुक्त टीमों द्वारा चेकिंग अभियांन चलाकर लकसर क्षेत्र में ओवरलोड ड्राइविंग ड्राइविंग अवैध खनन के वीरूद्ध कारवाई करते हु कोतवाली लक्सर पुलिस द्वारा लक्सर क्षेत्र से 14 वाहन चालकों के विरुद्ध कारवाई की गई है ईस संयुक्त कार्यवाही में जो भी

पुलिसकर्मी शामिल रहे उनमे उपनिरीक्षक कैलाश चंद्र शेमवाल उप निरीक्षक रणजीत नौटियाल कांस्टेबल सचिन सतपाल राणा शामिल रहे उन्होंने यह भी कहा की उच्च अधिकारियों के आदेश अनुसार हमारी करवाई पहले भी जा रही थी और आगे भी जरी रहेगी

5 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ पुलिस ने एक तस्कर को पकड़ा

मिशन नेशनल न्यूज /शमशाद अहमद

लकसर पुलिस के द्वारा अवैध नशा बेचने वालों के खिलाफ छापेमारी करते हु एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है उससे 5 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई है लक्सर कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखंड के ड्रग्स फ्री देव भूमि मिशन 2025 को साकार करने के लिए जनपद को नशा मुक्त करने नशा अवैध शराब स्मेंक चरस गाजा आदि तस्कारों के वीरद्ध चलाये जा रहे हैं अभियांन को सफल बनाने के क्रम में एसएसपी हरिद्वार द्वारा जनपद हरिद्वार के सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया था जिसमें पुलिस टीम गठित की गई गठित पुलिस टीम के द्वारा चार दिसंबर 2024 को मुखबीर की सूचना पर छापेमारी कर एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया गया उससे 5 लीटलर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई पूछताछ करने पर उस व्यक्ति ने अपना नाम चरण सिंह ऊर्फ पंजाब पुत्र कल्याण सिंह उम्र 56 वर्ष निवासी ग्राम कुवा खेड़ा कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार बताया उसको पकड़ने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक दीपक चौधरी हेड कांस्टेबल मनोज मिनान होमगार्ड भूषण शामिल रहे पकड़े गए व्यक्ति के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है पकड़े गये व्यक्ति को संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है

युवती को बचाने के लिए गंग नहर में कूदे युवक

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

धनौरी, धनौरी में ए युवती ने गंग नहर में छलांग लगा दी, जिसको बचाने के लिए एक युवक ने भी गंग नहर में छलांग लगाई, युवती पानी के तेज बहाव में लापता हो गई। युवती को बचाने के लिए गंग नहर में कूदे युवक की जान भी आफत में पड़ गई जब वह भी डूबने लगा, ये देख आस पास से गुजर रहे राहगीरों ने युवक की जान बचाई। घटना की सूचना पुलिस दी गई मौके पर पहुंची पुलिस युवक से घटना की जानकारी ले रही है। वही गंग नहर में डूबने से बचे युवक ने अपना नाम अरुण निवासी नागल थाना कलियर बताया। युवक कहना है कि वह अज्ञात लड़की को डूबता देख गंग नहर में कूदा गया था । जिसकी खुद की जान आफत में आ गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लण्ढौरा क्षेत्र खनन के चलते बाजार में दूकानदार व्यापारी धूल फांकने को है मजबूर ओवरलोड डम्परों से गिरती है धूल मिट्टी

मिशन नेशनल न्यूज /शमशाद अहमद

लण्ढौरा क्षेत्र में खनन माफियाओं के हौसले इतने बुलंद है कि सरकार के नियमों को ताक पर रखकर धज्जियां उड़ाई जा रही है जहां एक तरफ धामी सरकार ने ओवरलोड वाहनों को सड़कों पर दौड़ाने पर प्रतिबंध लगा रखा है लेकिन खनन माफियाओं द्वारा बैखोप होकर सड़कों पर ओवरलोड मिट्टी से भरे डम्परों को सड़कों पर सरपट दौडाए जा रहा है और उनके द्वारा अनुमति की आड़ में डंपरो में ओवरलोड मिट्टी का परिवहन धड़ल्ले से किया जा रहा है।

राहगीरों का कहना है कि लंण्डोरा क्षेत्र से मोटरसाइकिल सवार का गुजरना भारी हो गया है और जो मिट्टी के डम्पर सड़कों पर दौड़ रहे हैं उन डम्परों से मिट्टी उड़कर लोगों की आंखों में गिरती है जिससे हादसा होने की सम्भावना रहती है।और ऐसे में इन लापरवाह ओवरलोडेड डंपर चालकों की गलती से कोई भी बड़ा हादसा हो सकता है। लेकिन खनन माफियाओं द्वारा बैखोप होकर खनन चलाया जा रहा है

और मोटी चांदी काटने में लगे हुए हैं। ये ही नहीं ओवरलोडिड मिट्टी के डंपरो से उड़ती हुई मिट्टी भी दो पहिया वाहन चालकों के लिए समस्या बनी हुई है। एक तो खनन माफिया ओवरलोडेड डंपर से भराव करते हैं दूसरे बिना अनुमति वाले स्थानों को भी मिट्टी से प्लाट भर देते हैं, जिससे राजस्व को तो भारी हानि होती ही है, वही परिवहन के दौरान मिट्टी उडकर अन्य वाहन चालकों की आंखों में भी जाती है, जिससे सड़क पर भी इनके चलने से दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। लेकिन इसकी आड़ में जमकर नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है।

जल जीवन मिशन के तहत नव निर्मित पानी की टंकी का रुड़की जवाईंट मजिस्ट्रेट मिश्रा निरीक्षण

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

धनौरी। जल जीवन मिशन के तहत नव निर्मित पानी की टंकी का रुड़की जवाईंट मजिस्ट्रेट आशीष कुमार मिश्रा निरीक्षण कर जलापूर्ति व पाईप लाइन डालने के लिए खोदी गई सड़को का जायजा ले मौके पर ही जल संस्थान के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए दस दिन के अंदर ग्रामीणों की पेयजल संबंधित समस्याओ का निस्तारण करने के दिशा निर्देश दिए।

रुड़की विकास क्षेत्र के गांव दौलतपुर मे जल जीवन मिशन के तहत पेयजल योजना के अंतर्गत करीब दो साल पहले पानी की टंकी का निर्माण कराया गया है। गुरूवार को नवनिर्मित पानी की टंकी का रुड़की के जवा-

ईंट मजिस्ट्रेट आशीष कुमार मिश्रा ने निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया तथा ग्रामीणों से उनका हालचाल जाना।इस दौरान ग्रामीणों की ओर से बताई गई समस्याओ के निस्तारण के लिए मौके पर ही कड़ी फटकार लगाते हुए दिशा निर्देश दिए।उन्होंने इस मौके पर जल संस्थान के अधिकारियों दिशा निर्देश देते हुए कहा कि दस दिन के अंदर पानी की नियमित आपूर्ति प्रत्येक घर पानी का प्रेशर तथा पानी की लाइनों का रिसाव व पाईप लाइन के लिए खोदी गई सडके ठीक हो जानी चाहिए।इस मौके पर उन्होंने गांव के राजकीय इंटर कॉलेज का भी निरीक्षण किया।इस अवसर ग्रामीणों ने उनकी भूरी भूरी प्रशंसा की।

हमें सही राह दिखा सकता है ज्ञान

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून कुरुक्षेत्र, हरियाणा राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) कुरुक्षेत्र, हरियाणा में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय एवं कुरुक्षेत्र विकास मंडल द्वारा आयोजित नवें अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में सम्मिलित हुए।इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने कहा कि गीता की इस पावन धरती पर आकर दिव्यता, भव्यता और पूर्णता की अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा कि निःस्वार्थ कर्म करना ही जीवन का सही मार्ग है।

उन्होंने हरियाणा सरकार द्वारा आयोजित अटठारह दिन के अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव के आयोजन के लिए बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से गीता के उपदेश विश्वभर में पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि गीता धार्मिक, नैतिक और जीवन दर्शन का अद्भुत ग्रन्थ है। राज्यपाल ने कहा कि विश्व की बड़ी से बड़ी समस्या हो या हमारे मन की कोई शंका या जिज्ञासा, इन सभी का समाधान गीता में समाहित है।

इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गीता

को पूरे विश्व की धरोहर बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने इस बात को सिद्ध किया है कि यदि गीता को अपना मार्गदर्शक बनाया जाए तो सबका साथ सबका विकास के भाव से समग्र विकास के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। इस दौरान राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने कहा कि कुरुक्षेत्र की यह धरती हमें याद दिलाती है कि जब भी जीवन में संदेह और उत्कंठा की स्थिति हो, तब गीता ही है, जिसका ज्ञान हमें सही राह दिखा सकता है। उन्होंने कहा कि गीता केवल एक ग्रन्थ नहीं, बल्कि यह सम्पूर्ण जीवन का सार है। उन्होंने कहा कि यह ग्रंथ समस्त मानव जाति को कर्म, धर्म और जीवन के कर्तव्यों का बोध कराते हुए सही राह पर चलने की सीख देता है। इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने कहा कि कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन गीता का यह संदेश हमें बताता है कि हम कर्म करने में स्वतंत्र हैं, लेकिन फल की चिंता किए बिना अपने धर्म का पालन करें। ये विचार हमें अपने जीवन को सार्थक बनाने के साथ ही समाज और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता का सार यह है कि जीवन में मनुष्य को अपने कर्तव्यों का पालन निष्काम भाव से करते रहना चाहिए, यानी कर्म करते समय फल की चिंता नहीं करनी चाहिए। इस दौरान राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने कहा कि गीता पूरी मानवता के लिए एक जीवन-संहिता और आध्यात्मिक दीप-स्तंभ भी है। उन्होंने कहा कि गीता हमें कर्म करने और फल की चिंता न करने की सीख देती है। उन्होंने कहा कि निःस्वार्थ कर्म करना ही जीवन का सही मार्ग है। उन्होंने कहा कि कर्म करने से ही जीवन सार्थक हो जाता है, सुख-दुःख में समान रहना, लाभ-हानि को समान भाव से स्वीकार करना, मान-अपमान से विचलित न होना और सभी परिस्थितियों में संतुलन बनाए रखना, यही गीता का महान संदेश है। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता विपरीत परिस्थितियों में उत्साहवर्धन और निराशा में आशा का संचार करने वाला ग्रंथ है। राज्यपाल ने कहा कि गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं है, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि यह मानव को सत्य, धर्म और कर्म का मार्ग बताता है। उन्होंने कहा कि कैसे महाभारत के युद्ध क्षेत्र में अर्जुन के सन्देहों को दूर करने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था। उन्होंने कहा कि यह उपदेश केवल उस समय के लिए ही नहीं दिया गया था, बल्कि आज भी यह जीवन की जटिल परिस्थितियों में साहस के साथ आगे बढ` की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर राज्यपाल ने हरियाणा सरकार और आयोजकों को गीता महोत्सव के सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए भारत की इस सांस्कृतिक विरासत को विश्व पटल पर और अधिक सामर्थ्य से प्रस्तुत करने का आह्वान किया। इस अवसर पर केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान एवं हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय भी उपस्थित रहे।

धामी के चक्रव्यूह में फंसते नशा माफिया

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून उडता पंजाब मे जिस तरह से युवा पीढी नशे के दलदल मे धंसकर बबार्दी के दौर मे आगे बढती रही उससे देशभर मे पंजाब में नशे को लेकर जो धारणा बनी वह काफी दिल दहलाने जैसी ही नजर आई और उत्तराखण्ड मे भी उडता पंजाब की जब तस्वीर दिखाई देने लगी तो उससे राज्यवासियों के मन मे यह डर पैदा होने लगा कि अगर पहाडी जनपदों में भी युवा पीढी नशे के मकडजाल मे फंसती चली जायेगी तो उससे पहाड का युवा बर्बाद हो जायेगा? उत्तराखण्ड के कुछ पहाडी जनपदों में नशे का मकडजाल आज इतना विशाल हो चुका है कि उसे भेद पाना सिस्टम के लिए एक बडी चुनौती बना हुआ है। उत्तरकाशी, टिहरी, रूद्रप्रयाग, चमोली, अल्मोडा मे नशा तस्करों ने अपना एक खतरनाक नेटवर्क तैयार कर वहां युवा पीढी को अपने जाल मे इस कदर फंसा रखा है कि वहां परिवार के परिवार चिंता के इस दौर मे है कि कब उनके लाडले इस नशे से आजाद हो पायेंगे? मुख्यमंत्री ने मैदानी और पहाडी जनपदों में नशे के नेटवर्क को भेदने के लिए अपना चक्र चला रखा है और उस चक्र से आये दिन नशा माफिया ढेर हो रहे हैं और उसी के चलते अब आशा की किरण दिखाई दे रही है कि पहाडों में नशे का खतरनाक खेल खेलने वालों को मुख्यमंत्री नेस्तनाबूत करने में आगे भी कोई कसर नहीं छोडेंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पहाडी जनपदों में फैल चुके नशे के बडे नेटवर्क को लेकर शुरूआती दौर से ही चिंता मे दिखाई देते आ रहे हैं और उन्होंने सभी जनपदों के पुलिस कप्तानों को नशा माफियाओं पर नकेल लगाने का फरमान जारी कर रखा है। मुख्यमंत्री ने नशा माफियाओं पर शिकंजा कसने और नशे के जाल मे फंसे युवकों को उससे आजादी दिलाने के लिए एक बडे विजन के साथ ऑपरेशन चला रखा है और उन्होंने जेलों में बंद नशे के आदी लोगों को इससे छुटकारा दिलाने के लिए जेलों में उनकी कॉउसलिंग भी करा रखी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिह धामी का साफ कहना है कि उत्तराखण्ड के युवाओं को नशे के दलदल से बाहर निकालना उनका पहला विजन है और राज्य में जो भी नशामाफिया अपने खतरनाक एजेंडे पर आगे बढकर युवाओं को नशा परोस रहा है उसके खिलाफ वह ऐसी कार्यवाही अमल मे लायेंगे कि उन्हें यह आभास हो जायेगा कि उत्तराखण्ड कभी भी उडता पंजाब नहीं बन पायेगा?उल्लेखनीय है कि उत्तराखण्ड में कहने को तो एक से एक पूर्व मुख्यमंत्री ने सत्ता संभाली और वह राज्य को नई उडान पर ले जाने का खूब ढोल पीटते रहे लेकिन उन्होंने राज्य में तेजी के साथ पनप रही नशे की जडों पर प्रहार करने की दिशा में कोई पहल नहीं की जिसके चलते नशे माफियाओं का साम्राज्य इतना विशाल होता चला गया कि उन्होंने पहाड से लेकर मैदान तक के युवाओं को नशे के जाल में फंसा दिया। वहीं उत्तराखण्ड की कमान जब युवा मुख्यमंत्री के हाथों में आई तो उन्होंने नश माफियाओं पर प्रहार करने की दिशा में सख्ती के साथ जब कदम आगे बढाये तो पुलिस ने भी नशे की जडों पर प्रहार करना शुरू किया और अब साफ नजर आ रहा है कि धामी नशे की जडों को खोखला करने के मिशन में तेजी के साथ सफल हो रहे हैं। पहाड़ों और पर्यटननगरी में नशा माफियाओं के खिलाफ वहां के पुलिस कप्तानों ने बडे ऑपरेशन चला रखे हैं और उसी के चलते एक के बाद एक नशा माफिया सलाखों के पीछे पहुंचते जा रहे हैं।

सीएम ने लैंड जिहाद के खिलाफ खोल रखा मोर्चा

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून उत्तराखण्ड के उत्तरकाशी में मस्जिद विवाद को लेकर चंद दिन पूर्व हिंदू संगठनों की हुई महापंचायत ने यलगार लगाई कि उत्तराखण्ड को लैंड जिहादियों से मुक्त कराना उनका पहला मिशन है। हिंदू संगठनों की इस यलगार को लेकर यह बहस भी शुरू हुई कि जिस महापंचायत को करने के लिए हिंदू संगठन आगे आये उन्हें इस बात का इल्म होना चाहिए था कि मुख्यमंत्री ने तो लम्बे समय से लैंड और लव जिहाद के खिलाफ जंग छेड रखी है और उन्होंने हर बार साफ अल्टीमेटम दिया है कि उत्तराखण्ड के अन्दर लव और लैंड जिहाद बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। मुख्यमंत्री तो एक लम्बे अर्से से लव और लैंड जिहाद पर नकेल लगाने के लिए पुलिस महकमे को खुला आदेश देते आ रहे हैं और यही कारण है कि आज राज्य के अन्दर लव जिहाद का फन कुचल दिया गया है और जिहादियों ने जहां भी सरकारी लैंड पर कब्जे किये हुये थे उन्हें सख्ती के साथ हटाकर मुख्यमंत्री पहले से ही सख्त रूख में अपनी धमक लैंड जिहादियों को दिखाते आ रहे हैं और यही कारण है कि लम्बे समय से राज्य के किसी भी कोने मे लव और लैंड जिहाद का शोर नहीं मच रहा है और लैंड और लव जिहादियों को मुख्यमंत्री का कोप उन्हें खूब डरा रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देवभूमि के अन्दर लव और लैंड जिहाद के साथ थूक जेहाद का तांडव करने वालों को खुला अल्टीमेटम दे रखा है कि अगर उन्होंने ऐसा दुसाहस करने के लिए कभी भी अपने कदम आगे बढाये तो उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही अमल मे लाई जायेगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अकसर हर मंच से ऐलान करते आ रहे हैं कि उत्तराखण्ड के अन्दर कोई भी जेहाद नहीं होने दिया जायेगा और अगर किसी ने जेहाद के नाम पर राज्य की फिजाओं को सुलगाने की कोशिश की तो उसे इसका बडा खामियाजा भुगतना पडेगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लैंड जिहादियों को चिन्हित कर उन पर अपना चाबुक चलाने का जो दौर शुरू कर रखा है उससे राज्यवासियों के मन मे एक उमंग जाग चुकी है कि अब उन्हें लैंड, लव और थूक जेहाद से आजादी मिलेगी। हैरानी वाली बात है कि जब मुख्यमंत्री खुद लैंड जेहाद के खिलाफ आक्रामक रूख मे दिखाई दे रहे हैं तो फिर कुछ दिन पूर्व उत्तरकाशी में हिन्दुओं की हुई महापंचायत में उत्तराखण्ड को लैंड जिहाद से मुक्ति दिलाने की हुंकार समझ से परे नजर आई? मुख्यमंत्री खुद जेहाद के खिलाफ हैं और उत्तराखण्ड में लैंड जिहाद का चेप्टर अब बंद होता हुआ दिखने लगा है।

एस एच ओ धरासू ने ली ग्राम प्रहरियों की मीटिंग

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

उत्तरकाशी की नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक के दिशा-निर्देशन में अपराधों पर अंकुश लगाने, कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिगत आज गुरुवार को प्रभारी निरीक्षक धरासू दिनेश कुमार द्वारा थाना क्षेत्र में नियुक्त समस्त ग्राम प्रहरियों की मीटिंग ली गयी।

मीटिंग में प्रभारी निरीक्षक द्वारा उच्चाधिकारीगणों द्वारा कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाए रखने के सम्बन्ध में दिये गये आदेश-निदेर्शों से सभी को अवगत कराया गया। ग्राम में होने वाली प्रत्येक सूचना को फोन या व्हाटसप ग्रुप के माध्यम उपलब्ध कराने के साथ ही निम्न जरुरी दिशा निर्देश दिये गये।

* ग्राम में असमाजिक तत्व/लोगो को चिन्हित कर उनकी सूचना थाने पर देने हेतु निर्देशित किया गया ।

* अवैध मादक पदार्थो का कारोबार/तस्करी करने वालों की सूचना तत्काल

पुलिस को देने हेतु निर्देशित किया गया।

* यदि किसी ग्राम में अधिकांश युवा वर्ग नशे की ओर बढ रहें हो तो उसकी सूचना पुलिस को देने ताकि युवाओं की काउंसलिंग की जा सके और सम्बन्धित ग्राम में जनजगारुकता कार्यक्रम आयोजित किये जा सकें।

* गांव में फड़-फेरी करने वालों की सूचना पुलिस को देने तथा किसी अनजान व्यक्ति के गांव में रहने सम्बन्धी सूचना भी पुलिस को देने हेतु निर्देशित किया गया।

* बाहर से आकर मजदूरी करने वाले एवं किरायेदार के रुप में रह रहे बाहरी व्यक्तियों का पुलिस सत्यापन अनिवार्य रुप से करवाने की हिदायत दी गयी।

सिग्नल पर रुकते वाहनो में सेंस ऑफ अवेयरनेस की है जरूरत !

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून-शहर को जाम मुक्त व व्यवस्थित बनाने को दून यातायात पुलिस से लेकर राजधानी होने के मद्देनजर मुख्यालय स्तर पर भी दून के यातायात में सुधार लाने की दिशा में भरसक प्रयास किये जाते है। इसी फेहरियत में दून यातायात पुलिस का साथ देने को यातायात, थाना -चौकी पुलिस से लेकर थर्ड ऑय तक को ₹ इंटेलीजेंट" हैंड बनाकर ऊपरी तौर से शहर के यातायात को नियंत्रित रखने के तरीकों पर काम किया जा रहा है। तो वहीं हाल ही में पुलिस कप्तान अजय सिंह द्वारा शहरवासियों को यातायात का पाठ पढ़ाने को शहर भर में चेकिंग व चालान अभियान बुनियादी स्तर से शुरू हो गया है। दून को सुधारने की दिशा में प्रयास सराहनीय है किंतु जरूरत है कि ट्रैफिक सिग्नल पर खड़े वाहनों में भी ट्रैफिक रूल्स के प्रति ₹सेंस ऑफ अवेयरनेस₹ डाला जाया। सिग्नल ऑन होते ही वाहन सिग्नल पर रुकते जरूर है किंतु कहाँ जेबरा क्रासिंग, कहाँ चौराहे की सीमा शुरू होती है उसका ध्यान शायद ही किसी वाहन

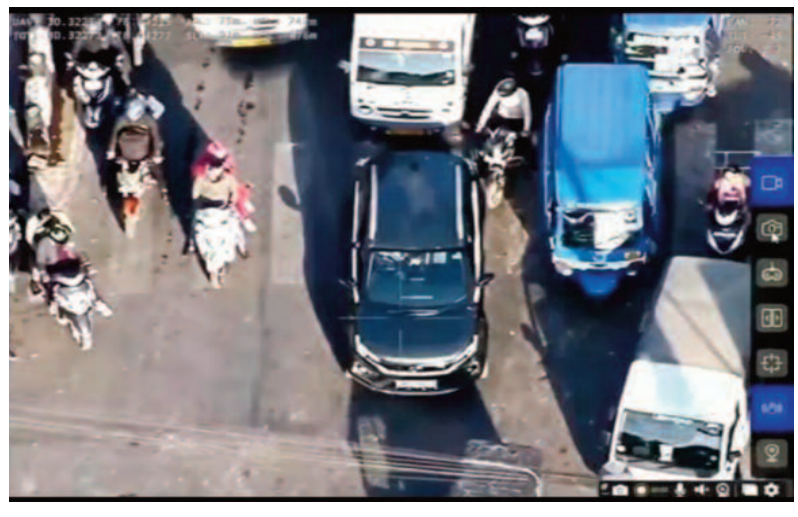

को होता होगा।खासतौर पर दोपहिया वाहनो में सिग्नल खुलते ही सबसे पहले जाने की होड़ इस कदर है कि जेबरा क्रासिंग से पांच-छह कदम आगे खड़े होना ही मुनासिब समझते है,उसके बाद चाहे सामने या अगल बगल के सिग्नल वाले अपनी बारी खुलने पर उस वाहन के चलते अपने आपको खुद ही बचाते हुए अपने गंतव्य को निकले पर मजाल कोई अपनी गलती मान अपनी गाड़ी पीछे कर ले।देखा जाए तो राजधानी में जेबरा क्रासिंग के शायद ही किसी को मायने पता होंगे और हम में से शायद किसी ने ही किसी को जेबरा क्रोसिंग की मदद से रास्ता पार करते हुए देखा होगा। आधे मिट चुके है(जिन्हें दोबारा जीवित/परिदृष्टित करने को पेंट किया जा रहा है) और जो बचे हुए है उनपर वाहन खुद दावेदारी से खड़े रहते है कि पैदल चलने वाला गाड़ियों के बीच से खुद ही बच बचाकर रोड क्रॉस करने को मजबूर है। यातायात पुलिस मौके पर मौजूद है तो कार्यवाही होगी,नही है तो सिग्नल खुलते ही वाहन निकल ही जायेंगे !समस्या यह भी है कि एक व्यक्ति भी अगर जेबरा क्रासिंग से पहले अपनी गाड़ी रोक ले तो पीछे से हॉर्न मार मारकर खड़े वाहन उस आदमी को भी जेबरा क्रोसिंग से आगे खिसका कर ले जा लेते है।

थर्ड ऑय का खौफ शहरवासियों में तभी तक है जब तक उनके खुद के घरों में चालान पर्ची न पहुँचे बाकि खुद से 'सभ्य' नगरवासी बनने में सभी को परहेज है। सुबह आफिस जाने में देरी से लेकर शाम को घर आने में जगह-जगह चौराहों में भारी जाम, किसी ने आड़ी-तिरछी गाड़ी लगा दी तो खुद से गालियां जरूर दे देंगे किन्तु सड़को में अपनी स्टॉप लाईन से 5 से 6 कदम आगे खिस-के वाहनो को देख खुद में सुधार की गुंजाइश तलाश नही करते। शहर के बढ़ते जाम की निंदा करने को हर कोई तैयार है व शहर को 'अब दून पहले जैसा नही रहा' कहकर ढेरो बुराई कर देंगे किन्तु शहर की इस हालत के पीछे जिम्मेदार कौन, को ढूंढने की जहमत नही उठाते। और जिस चौराहों पर सिग्नल या पुलिस कर्मी न हो तो पहले मैं पहले मैं करते करते सारे वाहन आगे आगे खिसक बीच सड़क पर पहुँच जाते है नतीजन जाम और पीछे खड़े वाहनो के लिए भी असमंजस की स्थिति वह अलग।

दून पुलिस शहरवासियों को यातायात नियमो का पाठ पढ़ाने को हर बार नए तरीके लांच तो कर रही है किंतु जरूरत है कि शहरवासियों में नियमो को लेकर ₹सेंस ऑफ अवेयरनेस₹ सबसे पहले हो वह जरूरी है।

एसपी उत्तरकाशी ने किया हर्षिल का दौरा, आगामी चारधाम यात्रा एवं सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

जनपद उत्तरकाशी की नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक सरिता डोबाल द्वारा बीती बुधवार को सीमान्त क्षेत्र हर्षिल का भ्रमण कर क्षेत्र की कानून, सुरक्षा एवं यात्रा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इस दौरान उनके द्वारा थाना हर्षिल, चौकी भटवाड़ी एवं सीजनल चौकियों का औचक निरीक्षण किया गया, थाने पर उपस्थित कर्मियों से उनकी व्यक्तिगत एवं विभागीय समस्याएं पूछी गयी। पुलिस अधीक्षक द्वारा गंगोत्री धाम यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण करते हुये आगामी चारधाम यात्रा-2025 के मध्यनजर सभी को अभी से तैयारी एवं कार्य योजनायें बनाने के निर्देश दिये गये, यात्रा मार्ग पर व्यवस्थाओं को दुरस्थ करने हेतु सम्बन्धित विभागों से समन्वय स्थापित करने तथा संवेदनशील एवं डेंजर जोन की सूची बनाकर वहां पर सुरक्षा के यथासंभव विकल्प तैयार करने के निर्देश दिये गये। सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु निरीक्षक यातायात को स्थान चिन्हित कर साईन/चेतावनी बोर्ड, रिफ्लेक्टर, ब्लिंकर लाईट, कॉन्वैंस मिरर, क्रैश बैरियर आदि समुचित उपाय समय से करने के निर्देश दिये गये।इस दौरान निरीक्षक यातायात राजेन्द्र नाथ, प्रभारी निरीक्षक मनेरी मनोज असवाल, प्रभारी हर्षिल सुनील तोमर सहित अन्य मौजूद रहे।

बांग्लादेशी हिंदुओं की रक्षा के लिए कड़े कदम उठाए केंद्र सरकार- आचार्य स्वामी गौरीशंकर दास

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार। श्री बनखंडी साधुबेला पीठाधीशवर आचार्य स्वामी गौरीशंकर दास महाराज ने कहा है कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए केंद्र सरकार को कड़े कदम उठाने चाहिए। सोची समझी साजिश के तहत लगातार हिंदुओं को बांग्लादेश में निशाना बनाया जा रहा है उनका बड़ी संख्या में कत्लेआम हो रहा है। केंद्र सरकार को अब तत्काल प्रभाव से सख्त से सख्त कदम उठाकर हिंदुओं की रक्षा के लिए आगे आना चाहिए। भूपतवाला स्थित साधुबेला आश्रम में प्रेस को जारी बयान में आचार्य स्वामी गौरीशंकर दास महाराज ने कहा कि बांग्लादेश का अल्पसंख्यक समुदाय लगातार अपनी जान माल की सुरक्षा के लिए गुहार लगा रहा है। संतो को भी निशाना बनाकर लगातार जेल भेजा जा रहा है। यह अत्यंत निंदनीय है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

संत समाज केंद्र सरकार एवं गृह मंत्रालय से मांग करता है कि इस मामले को गंभीरता से लेकर तत्काल प्रभाव से बांग्लादेश सरकार से बात करके हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार रुकवाने चाहिए। स्वामी बलराम मुनि महाराज ने कहा कि सनातन धर्म शांतिप्रिय और सभी धर्मों का सम्मान करने वाला है। मासूम लोगों की हत्या कर उन्हें उजाड़ा जा रहा है। यह अमानवीय कृत्य असहनीय है। हिंदुओं पर हमले जल्द ही बंद होने चाहिए। महंत शिवानंद महाराज ने कहा कि हिंदू समाज को एकत्र होकर बांग्लादेश के खिलाफ आवाज बुलंद करनी चाहिए। हिंदुओं पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

वाहन चोरों पर वार हो रहा लगातार, एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल के नेतृत्व में अपराध का फन कुचल रही हरिद्वार पुलिस

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

राजकुमार निवासी ग्राम माजरी थाना पिरान कलियर जिला हरिद्वार की मोटर साईकिल हीरो लत्र्इअ’४७ी चोरी होने पर दर्ज ए-त्र्क्ष्फ के आधार पर कोतवाली गंगनहर पर मु0अ0सं0-685/2024 धारा 303(2) बी0एन0एस0 बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया।

केस संख्या 02-

दिनांक- 03.12.2024 को वादी अहसान पुत्र सोमीन निवासी हसन कालोनी रामपुर रूड़की थाना गंगनहर, हरिद्वार की मोटर साईकिल स्पलेण्डर प्लस चोरी होने पर कोतवाली गंगनहर पर मु0अ0सं0- 694/2024 धारा 303(2) बी0एन0एस0 बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया।

केस संख्या 03-

दिनांक-03.12.2024 को वादी अजीत कुमार पुत्र राधेश्याम निवासी अकोढ़ा कला थाना कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार की मोटर साईकिल हीरो चोरी होने के सम्बन्ध में कोतवाली गंगनहर पर मु0अ0सं0-692/24 धारा 303(2) बी0एन0एस0 बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया।

केस संख्या 04-

दिनांक-04.12.2024 को वादी इसरार अली पुत्र श्री अब्बास निवासी इमली रोड़ महिग्रान कोतवाली रूडकी जनपद हरिद्वार की मोटर साईकिल लत्र्इअ’७ चोरी होने के सम्बन्ध में दर्ज ए-त्र्क्ष्फ के आधार पर कोतवाली गंगनहर पर मु0अ0सं0-695/2024 धारा 303(2) बी0एन0एस0 पंजीकृत किया गया।

जल्द रिकवरी के एसएसपी ने दिए निर्देश-

सिलसिलेवार चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल द्वारा सीओ रुड़की को पर्यवेक्षण का जिम्मा देते हुए घटनाओं के सफल अनावरण हेतु कोतवाली गंगनहर में अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया। गठित पुलिस टीमों द्वारा घटनास्थल एवं आने-जाने वाले रास्तों से साक्ष्य एकत्रित कर उनका विश्लेषण करते हुए क्षेत्र में मुखबिर तलब कर मामूर किये गये। लगातार ग्राउण्ड जीरो पर मेहनत करते हुए पुलिस टीम ने दिनांक-04.12.2024 को दौराने चैकिंग जगपाल उर्फ जग्गू नामक संदिग्ध युवक को मंगल विहार कॉलोनी सुनहरा रोड़ रूड़की से चोरी हुई एक मोटर साईकिल के साथ दबोचा। संदिग्ध से सख्ती से पूछताछ करने पर जानकारी मिली कि उसका एक साथी चोरी की मोटर साईकिल लेकर पीछे से आ रहा है। तत्परता दिखाते हुए पुलिस टीम द्वारा नाबालिक प्रतित हो रहे संदिग्ध को संरक्षण में लेकर सलेमपुर राजपुताना रूड़की से चोरी की गई मोटर साईकिल बरामद की।

पकड़े गए दोनों संदिग्ध से पूछताछ एवं उनकी निशांदेही पर पुलिस टीम ने रामपुर व बीएसएम तिराहे के आस पास से भी चोरी की गई दो अन्य मोटर साईकिल को आम के बाग में बरामद किया। बरामदगी के आधार पर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

विवरण आरोपित-

जगपाल उर्फ जग्गू पुत्र ईश्वर निवासी शीतलपुर थाना गंगोह जनपद सहारनपुर उ0प्र0

बरामदगी-

मोटर साइकिल- 04 अदद

संत स्वामी गोपालानन्द महाराज धर्म कर्म ईश्वर आराधना के माध्यम से भक्तों को कल्याण के मार्ग पर ले जाने वाले परम तपस्वी संत थे श्री महंत विष्णु दास महाराज

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार, भूपतवाला स्थित पीपल वाली गली स्थित गोपाल आश्रम के महंत स्वामी रामानन्द महाराज के गुरू ब्रह्मलीन स्वामी गोपालानन्द महाराज की तीसरी पुण्य तिथी पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में संत समाज ने ब्रह्मलीन स्वामी गोपालानन्द महाराज का भावपूर्ण स्मरण करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किए इस अवसर पर बोलते हुए श्री महंत विष्णु दास जी महाराज ने कहा संत स्वामी गोपालानन्द जी महाराज धर्म कर्म पूजा पाठ के माध्यम से भक्तों को कल्याण के मार्ग पर ले जाने वाले परम तपस्वी त्याग मूर्ति संत थे संत महापुरुषों का जीवन समाज को समर्पित होता है संत महापुरुषों द्वारा किये जाने वाले प्रत्येक कार्य में जगत कल्याण की भावना निहित होती है संत महपुरुष ही धर्म कर्म यज्ञ अनुष्ठान के माध्यम से भक्तों का लोक एवं परलोक दोनों सुधार देते हैं इस पृथ्वी लोक पर सतगुरु ईश्वर के प्रतिनिधि के रूप में विद्यमान है ईश्वर की ओर जाने वाला मार्ग गुरु चरणों से होकर ही जाता है उन्होंने गोपालानंद महाराज जी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किये गोपाल आश्रम के महंत

स्वामी रामानन्द महाराज ने कार्यक्रम में शामिल हुए संत महापुरूषों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ब्रह्मलीन गुरूदेव स्वामी गोपालानन्द महाराज से प्राप्त ज्ञान व शिक्षाओं के अनुसरण और संत समाज के आशीर्वाद से गुरू परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए समाज को धर्म व अध्यात्म की प्रेरणा देना और सनातन धर्म संस्कृति का प्रचार प्रसार करना ही उनके जीवन का उद्देश्य है। स्वामी रविदेव शास्त्री व महंत सूरजदास ने कहा कि योग्य शिष्य ही गुरु की कीर्ति को बढ़ाते हैं। स्वामी गोपालानन्द महाराज विद्वान संत थे। धर्म शास्त्रों का उनका ज्ञान विलक्षण था। गुरू के रूप में ऐसे विद्वान संत का सानिध्य भाग्यशाली व्यक्ति को मिलता है। महंत स्वामी रामानन्द महाराज सौभाग्यशाली हैं कि उन्हें ब्रह्मलीन स्वामी गोपालानन्द महाराज के सानिध्य में धर्म और अध्यात्म की शिक्षा दीक्षा प्राप्त करने का अवसर मिला। महंत नारायण दास पटवारी व महंत प्रह्लाद दास ने कहा कि गुरू से प्राप्त ज्ञान और संत परंपराओं का अनुसरण करते हुए महंत स्वामी रामानन्द महाराज को समाज का मार्गदर्शन करने के साथ धर्म संस्कृति के प्रचार प्रसार में भी योगदान करते देखना सुखद व प्रेरणादायक है।

श्रीमहंत विष्णुदास महाराज ने कहा कि धर्म प्रचार में ब्रह्मलीन स्वामी गोपालानन्द महाराज का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। सभी को उनके जीवन दर्शन से प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर , महंत नारायण दास पटवारी, महंत सूरजदास, स्वामी दिनेश दास, महंत रघुवीर दास, महंत बिहारी शरण, महंत प्रेमदास, महंत दुगार्दास, महंत प्रह्लाद दास, महंत जयराम दास, महंत प्रमोद दास, स्वामी ज्ञानानन्द, महंत मोहन सिंह, महंत तीरथ सिंह कोतवाल कमल मुनि महाराज कोतवाल रामदास ठाकुर मनोजानन्द सहित सभी अखाड़ों के संत महापुरूष व श्रद्धालु भक्त मौजूद रहे। सभी ने आयोजित भंडारे में भोजन प्रसाद ग्रहण कर अपने जीवन को धन्य तथा कृतार्थ किया

रंगाई पुताई के बहाने घरों की करते थे रेकी, ऋषिकेश में चार चोरियों को दिया अंजाम, 3 गिरफ्तार

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून ऋषिकेश रंगाई पुताई व हलवाई का काम करने के बहाने ऋषिकेश क्षेत्र में बंद घरों की रेकी कर एक के बाद एक चार चोरियों को अंजाम देने वाले अन्तरार्जीय नकबजनी गिरोह के 3 शातिर अभियुक्तो को ऋषिकेश पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अभियुक्तों के पास से पुलिस ने 01 अवैध पिस्टल 32 बोर, 02 जिन्दा कारतूस तथा 02 अवैध चाकू बरामद किया है।एएसपी ग्रामीण जया बलूनी ने बताया कि क्षेत्र में लगातार हुई चोरी की घटनाओं की गंभीरता के दृष्टिगत पुलिस कप्तान अजय सिंह द्वारा घटनाओं के अनावरण तथा अभियुकों की गिरफ्तारी हेतु प्रभारी निरीक्षक ऋषिकेश के नेतृत्व में स्थानीय पुलिस तथा एसओजी की संयुक्त टीमों का गठन किया गया। गठित टीमों द्वारा घटना स्थलों तथा उसके आसपास आने जाने वाले मार्गों पर लगभग 250-300 कैमरों को चेक करते हुये फुटेजों का अवलोकन किया गया तथा एस0ओ0जी0 की तकनीकी सहायता

से ठोस सुरागरसी पतारसी करते हुये घटना में शामिल अभियुक्तों के सम्बन्ध में जानकारी एकत्रित की गयी तो उक्त घटनाओं में पश्चिमी उ0प्र0 के अन्तरार्जीय नकबजनी गिरोह की संलिप्तता प्रकाश में आयी, जिस पर गिरोह के सदस्यों के सम्बन्ध में गोपनीय रूप से जानकरी प्राप्त करते हुये पुलिस टीम द्वारा दिनांक कल बुधवार को मुखबिर की सूचना पर आईडीपीएल क्षेत्र से गिरोह के तीन सदस्यों 1- सेनी कुमार उर्फ सन्नी पुत्र स्व0 महेन्द्र 2- सन्जू संजय पुत्र स्व0 शोभाराम, 3- विकास पुत्र मनफूल सिंह को 02 अवैध चाकू व 01 अवैध पिस्टल 32 बोर मय 02 जिन्दा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया अभियुक्तों की तलाशी में उनके पास से अलग अलग घटनाओं से सम्बन्धित चोरी का सामान बरामद किया गया। अवैध अस्लाहों की बरामदगी पर अभियुक्तों के विरूद्ध कोतवाली ऋषिकेश में आर्म्स एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया ।

पूछताछ में अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि वे लोग हलवाई व रंगाई पुताई का काम करते हैं तथा काम के कारण अक्सर ऋषिकेश, देहरादून व हरिद्वार आते रहते हैं, काम के दौरान अभियुक्तों द्वारा बन्द घरों की रैकी की जाती है तथा रैकी के उपरान्त मौका मिलते ही चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया जाता है। पूछताछ में अभियुक्तों द्वारा आईडीपीएल क्षेत्र में चार अलग अलग घरों में चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया जाना बताया गया जिसमें अभियुक्तों के साथ उनका एक अन्य साथी भी सामिल था। गिरफ्तार तीनों अभियुक्त शातिर किस्म के अपराधी है जो हलवाई तथा रंगाई पुताई के काम के बहाने बन्द घरों की रैकी कर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते है अभियुक्तों के विरूद्ध उत्तराखण्ड/उत्तर प्रदेश के कई जनपदों में चोरी, नकबजनी, आर्म्स एक्ट, गैंगस्टर एक्ट सहित अन्य संगीन अपराधों के दर्जनों अभियोग पंजीकृत है। अभियुक्तों के साथ घटना में शामिल एक अन्य अभियुक्त मोहित कुमार पुत्र विजय सिंह की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमें प्रयासरत है।

सीएम योगी ने प्लास्टिक फ्री महाकुंभ का लिया संकल्प, संगम नगरी में नगर निगम की टीमें चला रहीं जागरुकता अभियान

लखनऊ : यूपी के प्रयागराज में होने वाला महाकुंभ मेला विश्व के सबसे बड़े सम्मेलनों में से एक है। आस्था और श्रद्धा से जुड़ा यह पर्व शांति के साथ संपन्न हो, इसके लिए सभी को सहयोग करना होगा। यह आयोजन विश्व स्तर पर एक बार फिर अपनी छाप छोड़ जाए इसके लिए खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसकी तैयारियों की अगुआई कर रहे हैं। सीएम योगी इस आयोजन को खास बनाने के लिए प्लास्टिक मुक्त महाकुंभ अभियान चला रहे हैं। ग्रीन महाकुंभ का संदेश पूरे विश्व को जाए इसके लिए सीएम योगी की तरफ से निर्देश दिये गए हैं।

सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त रहेगा महाकुंभ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त रखने का संकल्प लिया है। इसी के चलते नगर निगम प्रयागराज के नगर आयुक्त चंद्रमोहन गर्ग के निर्देश पर पूरे शहर में प्लास्टिग मुक्त अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत नगर निगम की टीमें इंफोर्समेंट व्हीकल के साथ पूरे शहर जागरूकता अभियान चला रही हैं।

40-45 करोड़ श्रद्धालु महाकुंभ में होंगे शामिल

बता दें कि अगले साल 13 जनवरी से 26 फरवरी तक प्रयागराज महाकुंभ का पावन अवसर है। । महाकुंभ की तैयारियों को फाइनल टच दिया जा रहा है। इस अवसर को लेकर सीएम योगी कोई भी चूक नहीं चाहते हैं। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं को अवगत कराएं कि ट्रैक्टर-

ट्रॉली से प्रयागराज न जाएं। 40-45 करोड़ श्रद्धालुओं और पर्यटकों के प्रयागराज आने की संभावना है। इनमें से बड़ी संख्या में लोग अयोध्या, विंध्यधाम, काशी और मथुरा का भी भ्रमण करेंगे। इस संभावना को देखते हुए संबंधित जिलों में आवश्यक तैयारियां समय से करनी चाहिए।

जरूरतमंदों तक पहुंचाएं कंबल

सूबे में बढ़ती ठंड को ध्यान में रखते हुए सीएम योगी ने आगे कहा कि ठंड का मौसम शुरू हो गया है। सभी जिलों को कंबल बांटने के लिए धनराशि भेजी जा चुकी है। सभी जिलों का प्रशासन यह सुनिश्चित करे कि कंबल और रैन बसेरों का सदुपयोग हो। प्रदेश में कहीं भी कोई भूखा न सोए। सड़क किनारे न सोए। पुलिस पेट्रोलिंग के दौरान अगर कहीं कोई सड़क किनारे सोता हुआ मिले तो उसे रैन बसेरे तक पहुंचाएं।

शादी की खुशियां मातम में बदली: सड़क हादसे में दूल्हे के तीन दोस्तों की मौत, 4 की हालत गंभीर

महोबा (अमित श्रोतीय): जिले में देर रात शादी की खुशियों के बीच एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। दरअसल, दूल्हे के दोस्तों की कार डिवाइडर से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दर्दनाक सड़क हादसे में कार में सवार दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई है, जबकि एक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया जबकि चार गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हादसे के दौरान बारातियों ने घायलों को कार से एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया है।

गांव में पसरा सन्नाटा

दर्दनाक सड़क हादसा कुलपहाड़ कोतवाली क्षेत्र के झांसी-मिजार्पुर हाईवे सुगिरा गांव के पास घटित हुआ है। बताया जाता है कि झांसी जनपद के मऊरानीपुर कस्बा के मोहल्ला पावर हाउस निवासी पन्नालाल साहू के पुत्र राजेश साहू की बारात महोबा के कुलपहाड़ कस्बा आ रही थी। इस बारात में दूल्हा राजेश के दोस्त सिलेरियो कार यूपी93 बीपी 0904 से आ रहे थे। तभी कार तेज रफ्तार होने के चलते सुगिरा गांव में पुलिया के डिवाइडर से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

दो दोस्त की घटनास्थल पर मौत

एसडीएम ने बताया कार में सवार मऊरानीपुर निवासी 20 वर्षीय अंश पटेल पुत्र अनिल पटेल और घुटई गांव निवासी 28 वर्षीय मनीष पुत्र बबलू पटेल की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि 21 वर्षीय विपिन पटेल की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुत्र नाथूराम, 18 वर्षीय मुकेश पटेल पुत्र देवेंद्र पटेल, 21 वर्षीय विपिन पटेल पुत्र संतराम और कोटरा निवासी 22 वर्षीय योगेंद्र पुत्र भजनलाल, समारा बंगरा निवासी 19 वर्षीय प्रिंस पटेल पुत्र देवेश कुमार घायल हुए है। जिन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जिसमें विपिन की हालत गंभीर होने पर उसे हायर सेंटर इलाज के लिए परिजन ले गए है। इस हादसे से शादी की खुशियां में मायूसी छा गई है। सभी घायलों का जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में उपचार किया जा रहा है।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसा होते देख अन्य बाराती मदद के लिए पहुंचे तो वहीं स्थानीय लोगों ने भी चीख पुकार सुन कार में फंसे घायलों को निकाला। घटना की सूचना मिलते ही एस-डीएम, सीओ और कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंचे गई। शव को अभिरक्षा में लेकर विधिक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जबकि घायलों को बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कालेज भेज दिया है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर भड़का अखाड़ा परिषद, साधु संतों ने बैठक कर लिया बड़ा फैसला

प्रयागराज (सैयद रजा): बांग्लादेश में हिंदुओं की हो रही हत्या और साधु संतों की गिरफ्तारी की घटना पर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के साधु संत आक्रोशित हैं। महाकुंभ नगर में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने कहा है कि हम भारत सरकार से बांग्लादेश जाने की अनुमति मांगते हैं, क्योंकि बांग्लादेश में हिंदुओं का उत्पीड़न और संत महात्माओं को जेल में डालने की घटना हमसे देखी नहीं जा रही है। हमारे अखाड़ों के नागा सन्यासी भी बांग्लादेश में संत महात्माओं के उत्पीड़न से व्यथित हैं। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने कहा कि जिस तरह से संतो को जेल में डाला जा रहा है, मंदिरों को नष्ट किया जा रहा है, हिंदुओं की बहन बेटियों के साथ

अमानवीय कृत्य हो रहा है, इसको लेकर पूरे संत समाज में आक्रोश है। महंत रवींद्र पुरी ने कहा कि हमारे अखाड़ों के नागा संन्यासियों का तो युद्ध का पुराना इतिहास रहा है, हम अंग्रेजों और मुगलों से लड़कर अपनी संस्कृति की रक्षा करने में पीछे नहीं हटे थे। नागा संन्यासियों का युद्ध में जाने का मतलब है मारकर ही वापस आना। लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था में इसकी अनुमति किसी को नहीं है। लेकिन बांग्लादेश के हालात से संत समाज में गुस्सा है। साधु संतों की सबसे बड़ी संस्था अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने बांग्लादेश में बेगुनाह जेल में डाले गए सनातनियों की रिहाई की मांग की है। उन्होंने कहा है कि जल्द ही अखाड़ा परिषद बैठक करके बांग्लादेश के हिंदुओं की रक्षा के लिए एक प्रस्ताव भी पारित करेगा और उसे भारत सरकार के गृह मंत्री को भेजा जाएगा।

मंदिर के सामने मुस्लिम डॉक्टर के घर खरीदने पर बवाल, विरोध में सड़क पर उतरे कॉलोनी वासी, लगाए हाय-हाय के नारे

मुरादाबाद : उत्तर प्रदेश के मुरादबाद जिले में एक नया बवाल शुरू हो गया है। जिले के रामगंगा विहार इलाके की सबसे पॉश कॉलोनी टीडीआई सिटी में एक मुस्लिम डॉक्टर द्वारा घर लेने के बाद सोसाइटी में हंगामा मच गया। हिंदू समुदाय के लोगों में आक्रोश इतना बढ़ गया कि मुस्लिम डॉक्टर के विरोध में सभी सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करने लगे। गुस्साए लोगों ने जिला प्रशासन से रजिस्ट्री रद्द करने की भी मांग की है।

TDI सिटी में रहने वाले 1700 से 1800 लोग हिंदू

दरअसल, एक हिंदू समाज के डॉ. बजाज नामक व्यक्ति ने अपना मकान मुस्लिम मसमुदाय की महिला डॉ. इकरा चौधरी को बेच दिया है। जिसको लेकर कॉलोनी के लोगों में खासा आक्रोश है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यहां करीब 450 परिवार रहते हैं। इन परिवारों में रहने वाले सभी 1700 से 1800 लोग हिंदू हैं। लोगों का ये भी कहना है कि कॉलोनी बसने के समय तय किया गया था कि यहां किसी अन्य समाज की रजिस्ट्री नहीं कराई जाएगी। इसके बाद भी डॉ. बजाज ने चोरी से अपना मकान डॉ. इकरा चौधरी को बेच दिया।

लोगों ने बीजेपी विधायक से की बात, रुपये लौटाने को तैयार

बता दें कि कॉलोनी वासियों ने इस मामले में भाजपा विधायक से बातकर रजिस्ट्री वापस लेने की मांग की है। कॉलोनी के लोगों का कहना है कि मुस्लिम डॉक्टर का जो भी नुकसान हुआ है, उसका पैसा कॉलोनीवासी मिलकर देने को तैयार हैं। लेकिन किसी भी दूसरे समाज के व्यक्ति के कॉलोनी में रहने से उन्हें आपत्ती है।

मुरादाबाद के डीएम ने क्या बताया?

पूरे प्रकरण पर मुरादाबाद के डीएम अनुज कुमार सिंह का कहना है कि ळऊक्र सिटी के लोगों ने शिकायत की है कि एक व्यक्ति विशेष ने किसी दूसरे धर्म के व्यक्ति को मकान बेचा है। इसको लेकर वहां के लोगों को आपत्ति थी। ये प्र-करण प्रशासन और पुलिस के संज्ञान में है और सभी पक्षों से इसमें लगातार वार्ता चल रही है। हमारा प्रयास है कि इसका जो समाधान है वो सबकी सहमति से निकले और किसी भी प्रकार से माहौल खराब ने हो।

यूपी: जमीन विवाद में मां और बहन की हत्या मामले में एक्शन, दो भाइयों समेत नौ लोगों पर मुकदमा

बस्ती: उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में जमीन को लेकर विवाद में दो भाइयों ने अपनी मां और बहन को कथित तौर पर जिंदा जला दिया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस मामले में सात लोगों को नामजद कर नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि पुलिस ने कप्तानगंज थाना क्षेत्र के सेठा गांव में बुधवार को एक घर के अंदर से दो महिलाओं के झुलसे हुए शव बरामद किये।

जमीनी विवाद में हत्या का आरोप

पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान गोदावरी (55) और उनकी बेटी सौम्या (26) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में गोदावरी के बेटे कमलेश और कौशल तथा एक रिश्तेदार करुणाकर समेत सात लोगों को नामजद करते हुए नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक, ऐसा आरोप लगाया गया कि कमलेश और कौशल ने अपने साथियों के साथ मिलकर जमीन को लेकर विवाद में गोदावरी व सौम्या की हत्या की।

पिता ने बेटी के नाम कर दी थी जमीन

पुलिस ने बताया कि गोदावरी के दामाद बबलू दुबे का कहना है कि उसके ससुर की कैंसर से पहले ही मौत हो चुकी है और मरने से पहले उन्होंने अपनी दूसरी पत्नी गोदावरी और बेटी सौम्या को कुछ जमीन दी थी हालांकि बाकी जमीन दोनों बेटों के नाम भी की थी। दुबे ने पुलिस को बताया कि पिता के मरने के बाद जब कमलेश और कौशल को इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने इसका विरोध किया तथा जमीन उनके नाम करने के लिए दबाव बनाया।

हत्या के आरोप में पुलिस ने 9 के खिलाफ केस किया दर्ज

उन्होंने बताया कि इस मामले में पहले मुकदमा दर्ज हुआ था और बृहस्पतिवार को अदालत में गोदावरी और सौम्या की गवाही होनी थी। पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी ने बताया कि पुलिस को मिली सूचना के आधार पर एक मकान से दो महिलाओं के जले हुए शव पाये गये थे। उन्होंने बताया कि मामले की जांच में फोरेंसिक टीम की भी मदद ली जा रही है और शवों को पोस्टमार्टम लिए भेज दिया गया। चौधरी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

निकाह, नशा और फिर तीन तलाक !, जानिए रामपुर महिला की आपबीती, मामले की जांच में जुटी पुलिस

रामपुर (रवि शंकर) : महिलाओं के शोषण पर चार दशक पूर्व बनी बॉलीवुड फिल्म ₹निकाह₹ में जिस तरह पाकिस्तानी अदाकारा सलमा आगा ने महिलाओं का दर्द छलकाया था जिसमे हीरो उस से प्यार करता है, निकाह करता है और फिर शराब की हालत में तलाक तलाक तलाक बोलकर उसका जीवन बर्बाद कर देता है।

पति दोस्तों संग संबंध बनाने का डालता था दबाव

आज भी महिलाओं की ऐसी ही दर्द भरी कहानी सामने आ जाती है। रामपुर में भी कुछ ऐसा ही हुआ जहां एक महिला को प्यार हो गया, फिर उसने निकाह किया लेकिन निकाह के बाद उसे पता चला कि प्रेमी से उसका पति बना व्यक्ति नशे की गंदी लत का शिकार है। इसी लत के चलते उसके पति ने तीन तलाक देकर अपने बसे बसाए घर को उजाड़ डाला। पत्नी का तो यहां तक का आरोप है कि पति नशे की हालत में उस पर अपने दोस्तों के साथ संबंध बनाने को दबाव बनाता था, इनकार करने पर उसे तीन तलाक देकर निकाल दिया गया है। मामले की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है।

क्या है पूरा मामला

इस विषय पर पीड़ित

महिला सानिया ने बताया कि एक साल पहले मैं जुनैद से मोहब्बत करती थी अपनी पसंद से मैने शादी की और ससुराल में रहने लगी जब जुनैद आया मेरे पास तो वह नशा करता था। मुझे पता नहीं था वह अपने इंजेक्शन लगाता था और शराब पीता था। वह मुझे मारता पीटता था। फिर उसके दोस्त आए और मेरे साथ गलत करने लगे, मैंने अपने पति जुनैद से शिकायत करी कि तुम्हारे दोस्त मेरे साथ गलत करते हैं। जिसपर मेरे पति मुझसे बोले यह मजाक तो चलता रहता है। जैसा चल रहा है चलने दे और फिर उन्होंने मुझे मारा। फिर तीन तलाक देकर मुझे घर से निकाल दिया। और मैं अपने घर पर डेढ़ महीने से रह रही हूं। मुझे तलाक इसलिए दिया वह कहता था मेरे दोस्तों के

पुलिस अधीक्षक ने क्या कहा

इस मामले पर अपर पुलिस अधीक्षक रामपुर अतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि कल एक महिला ने थाना टांडा पर एक सूचना दी थी कि उसके पति ने उसे अपने दोस्तों के साथ अवैध संबंध बनाने के लिए कहा था। लेकिन महिला ने मना कर दिया तो उसे तीन तलाक दे दिया।

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने पहले ही एकदिवसीय में भारतीय टीम को हराया

एडीलेड मेगन शट की घातक गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गयी भारतीय महिला क्रिकेट टीम केा पहले ही एकदिवसीय मैच में पांच विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा है। हरमनप्रीत कौर की कप्तान में उतरी भारतीय टीम पहले एक-दिवसीय में केवल 100 रनों पर ही सिमट गई। मेगान ने 19 रन देकर तीन विकेट लिए। इसके बाद जीत के लिए मिला छोटा सा लक्ष्य मेजबान टीम ने केवल 16.2 ओवर में ही पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। 101 रनों का लक्ष्य मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया वॉल ने 46 और फोएब लिचफील्ड ने 35 रन बनाये। इनके आउट होने के बाद जॉर्जिया वॉल ने टीम को जीत दिलायी। वहीं भारतीय टीम की ओर से तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ने 3 और प्रिया मिश्रा ने 2 विकेट लिए। पहले एकदिवसीय मैच में कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस पहले बल्लेबाजी का

फैसला किया जो सही नहीं रहा। भारतीय टीम की शुरूआत अच्छ नहीं रही और अनुभवी सलामी बल्लेबा स्मृति मंधाना केवल 8 रन बनाकर आउट हो गयी। इस प्रकार केवल 9 रनों पर ही भारतीय टीम ने अपना पहला विकेट खो दिया। इसके बाद एक के बाद एक विकेट गिरने लगे। 62 रन पर 4 विकेट गिरने के बाद जेमिमाह रोड्रिग्स 23 और ऋचा घोष ने पारी केा 89 रन तक पहुंचाया। जेमिमाह के आउट होने के बाद . टीम ने अपने अंतिम 6 विकेट केवल 11 रन के अंदर खो दिये। इस तरह पूरी भारतीय टीम 34.2 ओवर में 100 रन पर ही आउट हो गयी। . जेमिमाह के अलावा हरलीन देओल ने 19 और हरमनप्रीत कौर ने 17 रन बनाए। वहीं इनके अलावा ऋचा घोष ने 14 रन बनाये। बाकि बल्लेबाज दो अंकों तक नहीं पहुंच पायीं। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मेगान ने तीन जबकि एनाबेल सदरलैंड, किम गार्थ, एश्ले गार्डनर और अलाना किंग ने एक-एक विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे देस्ट में भी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी भारतीय टीम

एडिलेड भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार से यहां मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। ये मैच दिन-रात का है और इसलिए गुलाबी गेंद से खेला जाएगा। इस मैच से कप्तान रोहित शर्मा औ शुभमन गिल टीम में वापसी करेंगे। रोहित दूसरे बच्चे के जन्म के कारण पर्थ में खेले गये पहले टेस्ट में शामिल नहीं थे जबकि शुभमन चोटिल होने के कारण बाहर थे। भारतीय टीम ने पर्थ में हुए पहले टेस्ट में 295 रनों से बड़ी जीत दर्ज की है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। ऐसे में वह दूसरे टेस्ट में भी जीत के साथ ही सीरीज में अपनी बढ़त को और आगे ले जाना चाहेगी। पहले टेस्ट में के एल राहुल ने यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की शुरूआत करते हुए शानदार साझेदारी बनायी थी। इसी के बाद से ही सवाल उठ रहे थे कि कप्तान रोहित की वापसी के बाद वह पारी की शुरूआत करेंगे या राहुल और यशस्वी को ही ये जिम्मेदारी देंगे। इस का जवाब रोहित ने दिया है और कहा है कि राहुल और यशस्वी ही पारी शुरू करेंगे और वह मध्यक्रम में जरुरत के अनुसार उतरेंगे। वहीं शुभमन किया जगह पर उतरेंगे ये भी देखना होगा। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के अपने पिछले दौर में एडिलेड में खेले गए दिन रात्रि टेस्ट क्रिकेट मैच में अपनी पहली पारी में 36 रन पर आउट हो गया थी लेकिन इस-ाके बाद उसने अच्छी वापसी करके श्रृंखला जीती थी। इस बार भारतीय टीम पहले मैच में जीत से उत्साह से उत्साहित है, इसलिए वह गुलाबी गेंद वाले इस मैच में बढ़े हुए मनोबल से उतरेगी। दिन-रात्रि टेस्ट मैच हालांकि भारतीय बल्लेबाजों के सामने अलग तरह की चुनौती पेश करेगा। गुलाबी गेंद से अतिरिक्त सीम

मूवमेंट मिलता है और भारतीय बल्लेबाजों को इससे पार पाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा। ऑस्ट्रेलिया का दिन रात्रि टेस्ट मैच में रिकॉर्ड अच्छा रहा है। उसने अभी तक घरेलू धरती पर जो 12 दिन रात्रि टेस्ट मैच खेले हैं उनमें से उसे केवल एक मैच में हार का सामना करना पड़ा लेकिन पहले टेस्ट मैच में करारी शिकस्त झेलने के कारण इस बार उसकी टीम पर दबाव रहेगा। रोहित मध्यक्रम में कहीं भी उतरें वह बड़ा स्कोर बनाने के लिए बेताब होंगे क्योंकि न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया में भी उनका रिकॉर्ड अच्छा नहीं है और वह इसमें सुधार करना चाहेंगे। रोहित और शुभमन अंतिम एकादश में देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल की जगह लेंगे। अंगूठे की चोट से उबर कर वापसी करने वाले शुभमन पहले टेस्ट मैच में भारत की ओर से यशस्वी और विराट कोहली ने शतक लगाये थ। अब ये दोनो इस मैच में भी बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। वहीं भारतीय गेंदबाजी विभाग में बदलाव की संभावना नहीं है। एडिलेड की पिच से हालांकि स्पिनरों को मदद मिलती रही है और विकेट का जायजा लेने के बाद उसकी स्थिति को देखकर आर अश्विन या रविंद्र जडेजा में से किसी एक को टीम में शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा स्पिन ऑलराउंड र वाशिंगटन सुंदर की जगह पक्की मानी जा रही है। दूसरी ओर मेजबान ऑस्ट्रेलिया की राह भी आसान नहीं है। ट्रेविस हेड को छोड़कर पहले टेस्ट में उसके अन्य बल्लेबाज विफल रहे थे। ऐसे में अब इस मैच में अगर उसे जीत दर्ज करनी है तो स्टीव स्मिथ, उस्मान ख्वाजा और मार्नस लाबुशेन जैसे बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। ऑस्ट्रेलिया की चिंता गेंदबाजी को लेकर भी है। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटिल होने के कारण बाहर हो गए हैं। उनकी जगह टीम में स्कॉट बोलैंड को शामिल किया गया है।

दोनो ही टीमें इसस प्रकार हैं :

ऑस्ट्रेलिया प्लेइंग 11 : पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ट्रैविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिच मार्श, नाथन मैकस्वीनी, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क। भारतीय टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह, यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, अभिमन्यु ईश्वरन, देवदत्त पडिक्कल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल, रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप। प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर।

गोविंदा ने की जबर्दस्त वापसी की घोषणा, फिर चलेगा एक्टर का जादू

मुंबई लंबे से रंगीन परदे पर नजर नहीं आए गोविंदा की अब जबर्दस्त वापसी होने जा रही है। गोविंदा के प्रशंसकों का इंतजार अब समाप्त होने वाला है। हाल ही में कपिल शर्मा का शो ह्यद ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 2ह्ल के एपिसोड में गोविंदा, शक्ति कपूर और चंकी पांडे मेहमान के रूप में आए। इस दौरान गोविंदा ने फैंस को एक बड़ी खुशखबरी दी, जो सुनकर उनके फैंस की एक्साइटमेंट दोगुनी हो गई। गोविंदा ने शो में तीन नई फिल्मों के बारे में घोषणा की, जिनके जरिए वह बॉलीवुड में अपनी जबरदस्त वापसी करने के लिए तैयार हैं। अब सवाल यह है कि क्या गोविंदा लंबे समय बाद फिर से बॉलीवुड में अपना जलवा कायम कर पाएंगे? ह्यद ग्रेट इंडियन कपिल शोह्ल का यह एपिसोड दर्शकों के लिए खास रहा। शो में कपिल शर्मा ने गो-विंदा, शक्ति कपूर और चंकी पांडे के साथ ढेर सारी मस्ती की और बातचीत की। इस दौरान गोविंदा ने अपने भांजे कृष्णा अभिषेक से भी मुलाकात की और दोनों के बीच का सात साल का झगड़ा खत्म हुआ। इस मजेदार

बातचीत के बीच, गोविंदा ने शो से जाते हुए फैंस को एक सरप्राइज दिया और अपनी तीन फिल्मों का ऐलान किया। गोविंदा ने फैंस को बताया कि उनकी फिल्म ह्यआ गया ह-ीरोह्ल के बाद से लोग उनकी नई फिल्में देखने के लिए इंतजार कर रहे हैं। अब वह जल्द ही तीन नई फिल्मों की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। ये फिल्में हैं ह्यबाएं हाथ का खेलह्ल, ह्यपिंकी डालिंगह्ल, ह्यलेन देनः इट्स ऑल अबाउट बिजनेसह्ल इन तीनों फिल्मों में गोविंदा के साथ शक्ति कपूर और चंकी पांडे भी नजर आएंगे, जो उनके पुराने दोस्त और सह-एक्टर रहे हैं। बॉलीवुड में गोविंदा का एक समय था जब उनका जलवा हर जगह था। वह हर डायरेक्टर की पहली पसंद होते थे और एक दिन में कई फिल्मों की शूटिंग करते थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने एक दिन में 70 फिल्में साइन करने का रिकॉर्ड भी बनाया था। लेकिन सलमान खान के साथ ह्यपार्टनरह्ल फिल्म के बाद उनका स्टारडम थोड़ा फीका पड़ा। इसके बाद गोविंदा ने ह्यकिल दिलह्ल, ह्यहीरो आ गयाह्ल, ह्यफ्राइडेह्ल, और ह्यरंगीला राजाह्ल जैसी फिल्मों से वापसी की कोशिश की, लेकिन पहले जैसी पॉपुलैरिटी नहीं मिल पाई। लॉकडाउन के बाद उन्होंने फिल्मों से लगभग दूरी बना ली थी। अब जब वह तीन नई फिल्मों के साथ वापसी कर रहे हैं, तो यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या वह पहले जैसा स्टारडम दोबारा हासिल कर पाएंगे या नहीं।

द ग्रेट इंडियन से दूरी बनाने की सोच रहा नेटफ्लिक्स

मुंबई कपिल के शो द ग्रेट इंडियन के अगले सीजन से नेटफ्लिक्स दूरी बनाने पर विचार कर रहा है। कपिल शर्मा के शो की व्यूअरशिप में आई कमी और इसकी प्रोडक्शन लागत में बढ़ोतरी के कारण नेटफ्लिक्स ने इसे जारी रखने को लेकर सवाल खड़े किए हैं। नेटफ्लिक्स पर प्रसारित होने के बावजूद, दर्शक इसके पूरे एपिसोड देखने के बजाय सोशल मीडिया और यूट्यूब पर शो की मुफ्त क्लिप्स देखकर ही संतुष्ट हो रहे हैं। यही कारण है कि शो की इंगेजमेंट और व्यूअरशिप के आंकड़े नेटफ्लिक्स की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर रहे। शो के फॉर्मेट को भी दर्शक अब थोड़ा पुराना और एक जैसा महसूस कर रहे हैं। हर एपिसोड में गेस्ट बदलने के अलावा बाकी सामग्री में कोई खास बदलाव न होने

की वजह से शो अपनी चमक खो रहा है। वहीं, बदलते समय के साथ दर्शक अब स्टैंडअप कॉमेडी और नई तरह की कहानियों की ओर ज्यादा आकर्षित हो रहे हैं, जिससे शो की टीआरपी पर नकारात्मक असर पड़ा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, शो के प्रोडक्शन पर करीब 80-90 करोड़ रुपये खर्च हुए थे, लेकिन इस भारी लागत के मुकाबले नेटफ्लिक्स को मुनाफा नहीं हो पाया। हालांकि, इस साल सितंबर में शो नेटफ्लिक्स की ग्लोबल टॉप 10 लिस्ट में 8वें स्थान पर रहा, परंतु यह सफलता अल्पकालिक साबित हुई। अब सवाल उठता है कि अगर नेटफ्लिक्स शो को आगे नहीं बढ़ाता, तो कपिल शर्मा क्या विकल्प अपनाएंगे। क्या वे अपने पुराने मंच, सोनी टीवी पर वापसी करेंगे, जहां से उन्होंने लोकप्रियता हासिल की थी? या फिर वे किसी अन्य ओटीटी प्लेटफॉर्म के साथ जुड़ेंगे?

विराट को फिर कप्तान बना सकती है आरसीबी : अश्विन

मुम्बई दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि विराट कोहली को एक बार फिर से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) अपना कप्तान बना सकती है। आरसीबी ने 2025 सत्र के लिए नीलामी के बाद अपनी नई टीम बना ली है पर इस टीम का अगला कप्तान कौन होगा वह अभी साफ नहीं हुआ है। विराट के अलावा इस टीम में क्रुणाल पंड्या और भुवनेश्वर कुमार ही दो ऐसे खिलाड़ी है जिन्हें कप्तानी का दावेदार माना जा रहा है। अश्विन का मानना है कि विराट आईपीएल सत्र सीजन के लिए कप्तानी संभाला सकते हैं। कोहली ने साल 2022 में टीम की कप्तानी छोड़ दी थी पर 2023 में फॉफ डुप्लेसिस के चोटिल होने के बाद कुछ मैचों में उन्होंने टीम की कप्तानी करनी पड़ी थी। आरसीबी की ओर से फिलहाल कप्तान को लेकर कुछ नहीं कहा जा रहा है पर अश्विन को लगता है कि ये पहले से तय है। उन्होंने कहा कि कोहली ही कप्तान की भूमिका में नजर आएंगे क्योंकि आरसीबी ने नीलामी के तहत किसी ऐसे खिलाड़ी को नहीं खरीदा जो कप्तान बन सके। अश्विन ने ये भी कहा कि आरसीबी के लिए ये नीलामी अच्छी रही क्योंकि उन्होंने अपनी टीम को संतुलित किया और सही खिलाड़ियों का चयन किया है। अश्विन ने कहा कि आरसीबी ने आरटीएम का ज्यादा इस्तेमाल किए बना ही अपने पहले 12-14 खिलाड़ियों को समझदारी से खरीदा। उन्होंने कहा कि मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि उनकी नीलामी बेहतरीन रही।

विशेष सूचना

आज से समाचार पत्रा में वही संवाददाता वैध रहेंगे जिनके नाम प्रेस लाईन के ऊपर बने बॉक्स में दशार्ये गये हैं।

समाचार व विज्ञापनों के लिए सम्पर्क करें।

सारिका
डेक्स एडिटर
7500992656

नाथीराम कश्यप
विशेष संवाददाता, लक्सर
9411119095

शादाब अली
देहरादून
मो. 9897139325

शमशाद अहमद
भगवानपुर

सभी राज्यों में, जिला, तहसील व ब्लॉक, स्तर पर प्रभारी व रिपोर्टर पद हेतू कार्य करने के इच्छुक युवक/युवतियां सम्पर्क करें।

अमित कुमार मंगोलिया
सम्पादक
प्रधन कार्यालय
मिशन नेशनल न्यूज, पुल
जटवाड़ा, घास मण्डी, ज्वालापुर,
हरिद्वार
मो. 9219141431
किसी भी तरह के विवाद का निपटारा हरिद्वार न्यायालय में होगा

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक अमित कुमार ने जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार ;उत्तराखण्ड से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः घास मण्डी, वाल्मीकि बस्ती, ज्वालापुर, हरिद्वार पिन 249407 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। किसी भी तरह के विवाद का निपटारा हरिद्वार न्यायालय में होगा सम्पादकः अमित कुमार